बुधवार 01 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:13 बजे
सूर्यास्त सांय 18:09 बजे

www.khabariya.com
एनसीआर टुडे
करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 आत्मनिर्भर संकल्प अभियान: समृद्धि और स्वाभिमान की राह

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक: 347 | गाजियाबाद, बुधवार 01 अक्टूबर 2025 | मूल्य: ₹ 2 | पेज: 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

भाजपा नेता वीके मल्होत्रा का निधन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष रहे प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को निधन हो गया। पिछले कुछ दिन से दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था जहां आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने 94 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली।

उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। दिल्ली भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित अन्य नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। मल्होत्रा ने अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के साथ संघ से निकलकर जनसंघ के जरिए राजनीति में कदम रखा था।

मल्होत्रा ने दिल्ली में संघ की विचारधारा के विश्तार के लिए जनसंघ काल से बहुत काम किया। प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा ने दिल्ली में संघ की विचारधारा के विश्तार के लिए जनसंघ काल से ही बहुत काम किया। उनकी कोशिशों की वजह से ही दिल्ली में पार्टी को मजबूत बनाने में मदद मिली।

मोदी ने विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। श्री मल्होत्रा का मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

प्रधानमंत्री ने श्री मल्होत्रा के योगदान को याद करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए उनके प्रयासों को सदैव याद रखा जाएगा। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "स्वर्गीय श्री वी.के. मल्होत्रा जी के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिवार के प्रति भी संवेदना व्यक्त की। दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।" इससे पहले प्रधानमंत्री ने राजनीति एवं संसद में श्री मल्होत्रा से जुड़ी यादों का स्मरण करते हुए एक अन्य पोस्ट में कहा था, "उनका निधन हम सभी के लिए दुख का विषय है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।"

राष्ट्रपति ने मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

श्री मल्होत्रा का मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

लद्दाख में हुई हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो: राहुल गांधी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लद्दाख में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं की न्यायिक जांच करके दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लद्दाख के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि जो लोग हक की मांग कर रहे हैं, उनको हिंसा से डराने की बजाय उनसे संवाद करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लद्दाख के एक पूर्व फौजी की पीड़ा का वीडियो भी जारी किया, जिसने देश के विभिन्न हिस्सों में सेवाएं दी और उसका बेटा लद्दाख में हुई गोलीबारी में मारा गया।

कांग्रेस नेता ने अपनी पोस्ट में कहा "पिता फौजी, बेटा भी फौजी – जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही हैं – क्या आज देशसेवा का यही सिला है।" श्री गांधी ने कहा "हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी ही चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए।

बिहार में एसआईआर के बाद फाइनल वोटर लिस्ट जारी, 7.42 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। अंतिम मतदाता सूची में लगभग 7.42 करोड़ मतदाता शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग इस कार्य को सफल बनाने के लिए बिहार के सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता है। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित हुई, जिसमें लगभग 7.42 करोड़ मतदाता शामिल हैं।

ईसीआई के अनुसार, अंतिम मतदाता सूची की भौतिक और डिजिटल प्रतियां राजनीतिक दलों के साथ साझा की जा रही हैं। कोई भी मतदाता इसे वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट गॉव डॉट इन पर ऑनलाइन देख सकता है।

यह एसआईआर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) बिहार, सभी 38 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), 243 निर्वाचक निबंधन अधिकारियों (ईआरओ), 2,976 सहायक निर्वाचक निबंधन अधिकारियों (एईआरओएस), लगभग 1 लाख बूथ श्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), लाखों स्वयंसेवकों और सभी 12 प्रमुख राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी, जिसमें उनके जिला अध्यक्ष और उनके द्वारा नियुक्त 1.6 लाख से अधिक बूथ श्तरीय एजेंट (बीएलए) शामिल हैं, के ईमानदार प्रयासों से सफल हुआ।

आयोग नियमित रूप से जागरूकता फैलाने और पूरी प्रक्रिया के दौरान अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया को भी धन्यवाद देता है। एसआईआर प्रक्रिया को समझाने और उन्हें पूरी जानकारी रखने के लिए राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गईं।

प्रवीर रंजन बने सीआईएसएफ के नए डीजी, आधुनिकीकरण और पारदर्शिता पर जोर

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को नया नेतृत्व मिल गया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रवीर रंजन ने मंगलवार को औपचारिक रूप से सीआईएसएफ के 32वें महानिदेशक का कार्यभार संभाला। सीआईएसएफ मुख्यालय में आयोजित गरिमामय समारोह में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने बल के वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद किया। 1993 बैच के एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी प्रवीर रंजन अप्रैल 2024 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। अब तक वे सीआईएसएफ में विशेष महानिदेशक (एयरपोर्ट सुरक्षा) के रूप में कार्यरत थे और देशभर के संवेदनशील हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व कर रहे थे। 32 वर्षों के अपने करियर में रंजन ने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। दिल्ली पुलिस में स्पेशल पुलिस आयुक्त (क्राइम व ईओडब्ल्यू), सीबीआई में डीआईजी और चंडीगढ़ में पुलिस महानिदेशक (2022-24) के रूप में वे अपनी कार्यकुशलता साबित कर चुके हैं। सीआईएसएफ में पदभार ग्रहण करने से पहले वे एडीजी के पद पर भी रहे। शैक्षणिक दृष्टि से भी वे बेहद योग्य हैं।

लद्दाख में हुई हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो: राहुल गांधी

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लद्दाख में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं की न्यायिक जांच करके दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लद्दाख के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि जो लोग हक की मांग कर रहे हैं, उनको हिंसा से डराने की बजाय उनसे संवाद करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लद्दाख के एक पूर्व फौजी की पीड़ा का वीडियो भी जारी किया, जिसने देश के विभिन्न हिस्सों में सेवाएं दी और उसका बेटा लद्दाख में हुई गोलीबारी में मारा गया। कांग्रेस नेता ने अपनी पोस्ट में कहा "पिता फौजी, बेटा भी फौजी – जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही हैं – क्या आज देशसेवा का यही सिला है।"

कांग्रेस ने महिलाओं, दलितों, आदिवासियों पर अत्याचार के मामलों में मोदी सरकार पर साधा निशाना

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कांग्रेस ने महिलाओं तथा आदिवासियों के खिलाफ राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो(एनसीआरबी)के अपराध संबधी आंकड़ों का हवाला देते हुए मोदी सरकार पर मंगलवार को निशाना साधा और कहा कि ये आंकड़े आदिवासियों, महिलाओं, दलितों के खिलाफ सरकार के सुरक्षा के दावों की पोल खोलते हैं। कांग्रेस ने आदिवासियों तथा महिलाओं के खिलाफ 2023 में हुए अपराधों का विवरण देने के साथ ही बिहार में हुए अपराधों के भी आंकड़े दिये हैं और कहा है कि वहां सरेआम हत्या, गैंगवॉर, दिन-दहाड़े लूट, अपहरण, फिरौती जैसी घटनाएं हो रही है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा बिहार में दलितों के साथ हुए अपराधों भी विवरण दिया है। पार्टी ने कहा "मोदी सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़े हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4,48,211 केस दर्ज हुए, जबकि 2022 में यह संख्या 4,45,256 थी। साफ है कि अपराध का ये आंकड़ा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के महिला सुरक्षा के खोखले दावों की पोल खोल रहा है।"

अयोध्या के राम मंदिर को लेकर फिर दायर हो सकती है क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल!

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की एक टिप्पणी ने अयोध्या विवाद एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। उन्होने एक इंटरव्यू में कहा था कि बाबरी मस्जिद का निर्माण ही मूल रूप से अपवित्र था। उनका कहना था कि जिस स्थान पर पहले से मस्जिद हो, वहां मस्जिद बनाना ही अपवित्र था।

इसी को लेकर विवाद शुरू हो गया है और प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने तो राम मंदिर पर आए फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ के बयान के आधार पर ही क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल की जा सकती है।

वहीं दूसरी तरफ चंद्रचूड़ अपने बयान पर सफाई भी दे चुके हैं। उनका कहना है कि उनके शब्दों को संदर्भ से बाहर निकालकर गलत तरीके से प्रश्तुत किया गया है और सुप्रीम कोर्ट का अयोध्या फैसला साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों पर आधारित था, न कि आस्था पर।

उन्होंने यह भी कहा कि आलोचक अक्सर पूरे फैसले को नहीं पढ़ते, जो 1,000 से अधिक पृष्ठों का है। कहा जाता है कि इस फैसले की ड्राफ्टिंग खुद चंद्रचूड़ ने ही की थी। चंद्रचूड़ के साक्षात्कार की क्लिप्स सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं।

प्रोफेसर जी. मोहन गोपाल ने कहा कि डीवाई चंद्रचूड़ के बयान में वह बात कही गई है, जो फैसले में ही नहीं है। ऐसे में इसके आधार पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा सकती है। 2019 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने राम मंदिर केस में फैसला सुनाया था।

सीडीएस चौहान ने परमाणु हथियारों के जैविक खतरों से तैयार रहने का आह्वान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भविष्य के लिए परमाणु हथियारों से होने वाले जैविक खतरों के खिलाफ तैयार रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज के डेटा केंद्रित युद्ध के युग में सूचना तक पहुंच दुश्मन को या तो हम पर बढ़त दिला सकती है या उसे कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है। हालांकि, डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण सीधे तौर पर एमएनएस की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन आपको इन सभी प्रकार की चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए।

दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) के 100वें स्थापना दिवस पर वैज्ञानिक सत्र को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेगा। हालांकि, हमारी ओर से परमाणु हथियारों के इश्तेमाल की संभावना बहुत कम है, फिर भी इसे हमारी सुरक्षा में शामिल करना समझदारी होगी।

रेडियोलॉजिकल प्रदूषण के लिए अलग प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है और यह हमारे प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए। परमाणु खतरों के विरुद्ध तैयारी इसके उपयोग के विरुद्ध निवारक उपाय में योगदान करती है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सैन्य नर्सिंग सेवा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय डीएनए अद्वितीय है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली अलग-अलग वातावरण या संक्रमणों के प्रति अलग-अलग प्रतिक्रिया करती है। व्यापक श्तर पर व्यक्तिगत चिकित्सा डेटा की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और इसमें केस हिस्ट्री, रिपोर्ट और चिकित्सा स्वास्थ्य रिकॉर्ड शामिल हैं। परिचालन डेटा, स्वास्थ्य पैटर्न से संबंधित तैनाती, निकासी योजनाओं को भी लीक से सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। चिकित्सा डेटा की भूमिका-आधारित पहुंच और एनक्रिप्शन आज के डेटा केंद्रित युद्ध के युग में बहुत प्रासंगिक है। सूचना तक पहुंच दुश्मन को या तो हम पर बढ़त दिला सकती है या उसे कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है। हालांकि, डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण सीधे तौर पर एमएनएस की ज़िम्मेदारी नहीं है, लेकिन आपको इन सभी प्रकार की चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए।

सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि कोविड महामारी के बाद के युग में जैविक खतरों के बढ़ने की संभावना है और उन्होंने उनके खिलाफ रक्षा तैयारियों का आह्वान किया।

तकनीकी | मासिक रिकवरी इस वर्ष जनवरी में 28,115 से बढ़कर अगस्त में 45,243

खोए या चोरी हुए छह लाख से अधिक मोबाइल बरामद किये 'संचार-साथी' ने

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दूरसंचार विभाग की नागरिक-केंद्रित प्रमुख डिजिटल सुरक्षा पहल 'संचार-साथी' के माध्यम से छह लाख से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट बरामद किये गये हैं। यह सुविधा हर एक मिनट में एक फोन का पता लगाने में सहायता कर रही है।

संचार मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि ये मोबाइल 'संचार साथी' पर 'अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें' सुविधा के जरिये बरामद किये गये हैं और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से डिजिटल शासन में नागरिकों का विश्वास मजबूत होता है।

मंत्रालय ने कहा है कि यह उपलब्धि नागरिकों की डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और साइबर अपराध से निपटने में सहयोगी प्रौद्योगिकी की क्षमता को प्रदर्शित करती है। संचार साथी पर 'अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें' सुविधा बिना समय गंवाए दूरसंचार विभाग, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और पुलिस को जानकारी देती है।

यह सुविधा नागरिकों को सभी भारतीय दूरसंचार नेटवर्क पर खोए/चोरी हुए मोबाइल की रिपोर्ट करने, ब्लॉक करने, ट्रेस करने या अनब्लॉक करने की सुविधा प्रदान करती है।

किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए, रिपोर्ट किए गए खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को पूरे भारत में दूरसंचार नेटवर्क पर ब्लॉक कर दिया जाता है। जैसे ही ऐसे खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट के साथ किसी सिम का उपयोग किया जाता है, स्वचालित ट्रेसेबिलिटी सक्रिय हो जाती है और नागरिकों के साथ-साथ उस संबंधित पुलिस स्टेशन को भी अलर्ट भेज दिया जाता है जहां खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट की शिकायत दर्ज की गई थी। नागरिकों को एसएमएस के माध्यम से संपर्क करने के लिए सक्रिय ट्रेसेबिलिटी में पुलिस स्टेशन का विवरण प्रदान किया जाता है। दूरसंचार विभाग की क्षेत्रीय इकाइयां क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ निरंतर सहयोग करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पता लगाए गये उपकरणों को कुशलतापूर्वक कैसे हासिल किया जाए और उनके मालिकों को लौटाया जाए।

इन प्रयासों से रिकवरी दर में लगातार माह-दर-माह सुधार हुआ है, मासिक रिकवरी इस वर्ष जनवरी में 28,115 से बढ़कर अगश्त में 45,243 हो गई है- जो आठ महीनों में 61 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे लोगों में इस सुविधा के बारे में जागरूकता का भी पता चलता है।

संचार साथी देश का सबसे व्यापक डिजिटल सुरक्षा प्लेटफ़ॉर्म बन गया है जिसकी वेबसाइट पर 19 करोड़ से ज़्यादा विज़िट और 90 लाख से ज़्यादा मोबाइल ऐप डाउनलोड हो चुके हैं। डिजिटल सुरक्षा के प्रति संचार साथी के व्यापक दृष्टिकोण में कई अन्य नागरिक-केंद्रित मॉड्यूल शामिल हैं। इनमें संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट के लिए 'चक्षु', सभी सक्रिय कनेक्शनों को सत्यापित करने के लिए 'अपने मोबाइल कनेक्शन को जानें', पोर्टल, ऐप या 14422 पर एसएमएस के माध्यम से आईएमईआई की प्रामाणिकता जांचने के लिए 'डिवाइस प्रामाणिकता सत्यापन', भारतीय कॉलर आईडी वाले संदिग्ध अंतर्राष्ट्रीय कॉल की रिपोर्ट के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय कॉल रिपोर्टिंग', बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सत्यापित संपर्क जानकारी तक पहुंच के लिए 'विश्वसनीय संपर्क विवरण' आदि शामिल हैं।

संचार साथी सुरक्षित डिजिटल इको-सिस्टम के निर्माण की दिशा में एक पहल है जहां नागरिक आसानी से और सुरक्षित रूप से सरकारी सेवाओं तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। भारत की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए, संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन हिंदी, अंग्रेजी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है, जो सभी जनसांख्यिकी और भौगोलिक स्थलों के नागरिकों के लिए पहुंच सुनिश्चित करता है। संचार मंत्रालय ने कहा है कि सभी को इस सुविधा का लाभ उठाना चाहिए और खोए या चोरी हुए उपकरणों की तुरंत रिपोर्ट करनी चाहिए।

सेंसेक्स आठ दिन में 2,746 अंक टूटा

वेबवार्ता. मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निकासी और वैश्विक कारकों को लेकर जारी चिंता के कारण घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार आठवें दिन गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स इन आठ दिनों में 2,746 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 812 अंक टूट चुका है।

सेंसेक्स आज सुबह बढ़त में था लेकिन बाद में उतार-चढ़ाव से होता हुआ अंततः 97.32 अंक (0.12 प्रतिशत) नीचे 80,267.62 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी 23.80 अंक यानी 0.10 फीसदी टूटकर 24,611.10 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांक चार सप्ताह के निचले श्तर पर पहुंच गये हैं।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के बुधवार को जारी होने वाले बयान से पहले सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। धातु और ऑटो समूहों में भी तेजी रही। वहीं, एफएमसीजी, रियलिटी, आईटी और फार्मा कंपनियों के शेयरों में निवेशकों ने बिकवाली की। मझौल कंपनियों पर कम दबाव रहा जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.02 प्रतिशत गिर गया।

एसपी देहात ने आरक्षी को किया पुरुस्कृत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसपी देहात अमृत जैन के द्वारा अपने कार्यालय में देहात क्षेत्र के थानों के बीट आरक्षियों की बीट बुक चेकिंग के क्रम में थाना गौण्डा पर तैनात आरक्षी सचिन कुमार थाना गोण्डा का अपने बीट क्षेत्र अच्छी जानकारी तथा इनका टर्न आउट, शारीरिक दक्षता बहुत अच्छी पायी गयी।

उत्साहवर्धन हेतु आरक्षीसचिन कुमार को पांच सौ रुपये के नगद पुरुस्कार से सम्मानित किया गया । बीट बुक पुलिस का मूलभूत दश्तावेज है, जिससे बीट क्षेत्र की गतिविधियाँ, अपराध की स्थिति तथा संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी समय पर संकलित और संप्रेषित की जा सकती है। इससे न केवल अपराध नियंत्रण में सहायता मिलती है, बल्कि जनता के साथ पुलिस की बेहतर संवाद व्यवस्था भी स्थापित होती है।

गैंगस्टर एक्ट में दोषियों को पांच वर्ष कारावास

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाने हेतु चलाए ऑपरेशन कन्विक्शन के क्रम में पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से न्यायालय द्वारा गैंगस्टर एक्ट में दोषियों को सजा सुनायी गई।

थाना क्वार्सी पर पंजीकृत मुकद्दमा गैगस्टर एक्ट में आलोक पुत्र रक्षपाल सिंह निवासी देवी नगला थाना क्वार्सी, गोपाल पुत्र कल्याण सिंह, सुनील पुत्र राजवीर सिंह निवासीगण मिथलापुरी थाना क्वार्सी को न्यायालय द्वारा दोषी पाये जाने पर प्रत्येक को पांच वर्ष के सश्रम कारावास व दस-दस हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

तीमारदार और डॉक्टर भिड़े,हड़ताल के चलते मरीज परेशान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मेडिकल कॉलेज में मरीज के साथ आए तीमारदार और डॉक्टर के बीच मारपीट होने के कारण डॉक्टरों ने मेडिकल में हड़ताल कर दी और जूनियर डॉक्टर इमरजेंसी से उठ गए और मरीजों को देखना बंद कर दिया।मंगलवार की सुबह 10:30 बजे जूनियर डॉक्टर के साथ मारपीट होने के चलते जूनियर डॉक्टर इमरजेंसी से उठ गए। जूनियर डॉक्टरों ने मरीजों को देखना बंद कर दिया। इससे अन्य मरीज और तीमारदार परेशान हो गए।

रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉक्टर अख्तर ने बताया कि इमरजेंसी में मरीज का जल्दी इलाज करने के चलते तीमारदारों ने डॉक्टर के साथ मारपीट कर दी। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा बार-बार आश्वासन के बावजूद भी जूनियर डॉक्टरों की सुरक्षा नहीं हो पा रही है।

डांडिया गरबा में जमकर थिरके बच्चे

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसडी किड्स स्कूल में नवरात्रि के उपलक्ष में डांडिया और गरबा का भव्य आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। डांडिया नृत्य करते हुए बच्चे बहुत सुंदर लग रहे थे। एस एस डी किड्स स्कूल शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों और संस्कृति पर भी जोर देता है।

बच्चों लोकगीतों पर थिरके। उनके अंदर नवरात्रि को लेकर एक असीम उत्साह और जोश देखते ही बनता था। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रधानाध्यापिका शालू वर्मा ने कराया तथा बच्चों को नवरात्रि से जुड़ी हुई मां दुर्गा और महिषासुर की कहानी भी सुनाई। प्रबंधक पवन शर्मा जी व प्रधानाचार्या अलका अग्रवाल ने दुर्गा पूजा व दशहरे की शुभकामनाये दी। कार्यक्रम मे डोली जैन, सीमा वर्मा रेखा गुप्ता, सोनम वर्मा, अर्चना सिंह, गीता, रत्ना, प्रियंका, प्रिंसी, अर्चना, प्रियंका, नंदिनी, ललितेश, प्रियंका,ललितेश,अर्चना गुप्ता,शिवानी चौधरी, उमा गौतम, हेमंत, चंचल आदि शिक्षक मौजूद रहे।

ब्रास उत्पादों ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में चमक बिखेरी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अलीगढ़ की कंपनी प्रज्वल इंटरनेशनल ने अपने आकर्षक ब्रास हैंडीक्राफ्ट्स और विंटेज लॉक्स के दम पर अंतरराष्ट्रीय श्तर पर पहचान बनाई।

कंपनी के उत्पादों को न सिर्फ़ देशभर के आगंतुकों ने सराहा बल्कि कुवैत, साउथ अफ्रीका, मेक्सिको और मलेशिया सहित कई देशों के विदेशी ख़रीदारों ने भी विशेष रुचि दिखाई।

कंपनी के प्रमुख प्रबंधक दीपक सैनी ने बताया कि इस आयोजन से उन्हें कई ओवरसीज़ बायर्स से उपयोगी व्यावसायिक संपर्क स्थापित करने का अवसर मिला है और ऑर्डर्स को लेकर सकारात्मक चर्चाएँ जारी हैं।

नेपाल तक हो रही थी सप्लाई

राजस्थान में कृषि मंत्री किरोड़ी ने पकड़े खाद के 64 हज़ार नकली बैग

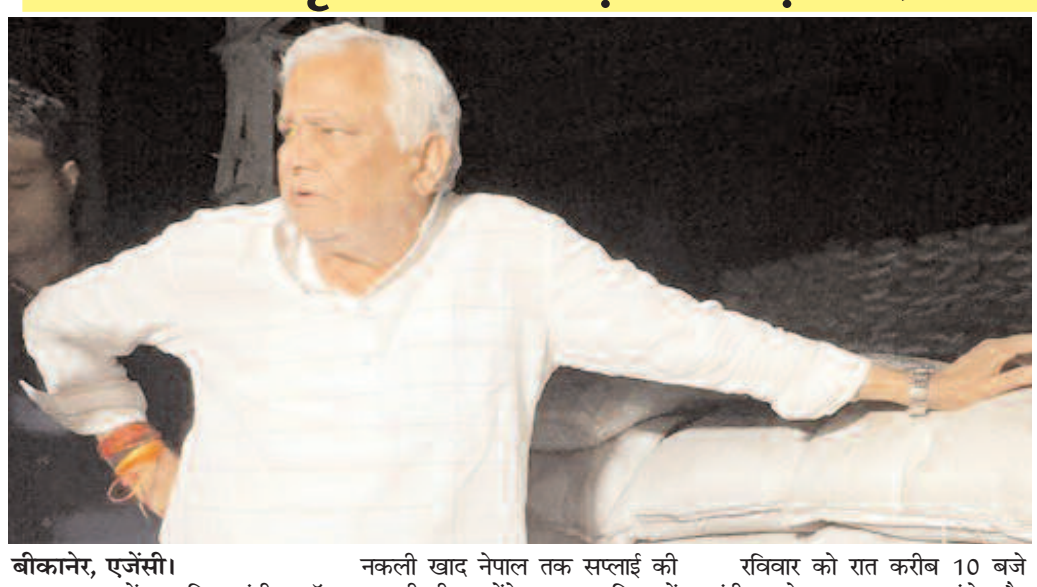

बीकानेर, एजेंसी।
राजस्थान में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने नकली खाद और बीज बनाने वाले भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसना जारी रखा है। बीकानेर जिले में रविवार देर रात हुई धमाकेदार छापेमारी ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया। मंत्री मीणा ने कोलायत क्षेत्र में स्थित दो उर्वरक फैक्ट्रियों में अचानक रेड की। इस छापेमारी के दौरान दोनों फैक्ट्रियों से कुल 64 हजार नकली खाद के बैग बरामद किए गए। इस कार्रवाई के बाद दोनों फैक्ट्रियों को तुरंत सील करने के आदेश जारी किए गए।

मंत्री मीणा ने बताया कि यह नकली खाद नेपाल तक सप्लाई की जा रही थी। उन्होंने कहा, हम किसानों को बेहतर क्वालिटी का बीज, खाद और पेस्टिसाइड देने के लिए पूरी सतर्कता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। जब तक हम संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक यह कार्रवाई जारी रहेगी।

मंत्री मीणा के साथ कृषि विभाग के कई अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने अधिकारियों को ऑन-द-स्पॉट निर्देश दिए और कहा कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पैदावार बढ़ाने और किसानों को राहत देने के लिए कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

रविवार को रात करीब 10 बजे मंत्री पहले नाल बाइपास पहुंचे और खारी गंगापुरा गांव स्थित पहली फैक्ट्री से 24 हजार नकली खाद के बैग बरामद किए। इसके तुरंत बाद, कोलायत के सांखला फाटे से तीन किलोमीटर दूर दूसरी फैक्ट्री में 40 हजार बैग कब्जे में लिए गए। मंत्री ने बताया कि खाद में मिट्टी मिलाई गई थी, जिससे राजस्थान के कई जिलों में किसान सीधे प्रभावित हो रहे थे।

जुलाई में भी मंत्री मीणा ने बीकानेर में छापेमारी की थी। इसके अलावा श्रीगंगानगर और अलवर में भी नकली बीज और खाद की जांच की जा चुकी है।

बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई

28 सितंबर को श्रीगंगानगर में बीज कंपनियों के रिकॉर्ड में गड़बड़ी पाई गई और उनकी बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। मंत्री ने कहा कि इस तरह की गड़बड़ियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री मीणा ने स्पष्ट किया कि नकली खाद और बीज के खिलाफ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए सभी कानूनी उपाय किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कार्रवाई सिर्फ एक जिले तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राज्य भर में नकली उर्वरक और बीज बेचने वालों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली खाद, बीज और पेस्टिसाइड समय पर उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना था कि किसानों की पैदावार और हित हमेशा प्राथमिकता रहेगी। इस कार्रवाई को देखते हुए, राज्य सरकार ने एसआईटी और एसओजी टीमों को जांच सौंपने की तैयारी भी शुरू कर दी है। मंत्री मीणा ने आश्वस्त किया कि दोषियों तक जल्द ही सख्त कार्रवाई पहुंचेगी और नकली खाद और बीज के कारोबार में शामिल कोई भी बख्शा नहीं जाएगा।

मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल

बहन से मिलने आए डॉक्टर ने 21वीं मंजिल से कूदकर दी जान

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेनो वेस्ट स्थित गौर सिटी-2 सोसाइटी के 14 एवेन्यू की 21वीं मंजिल से कूदकर सोमवार की दोपहर डॉक्टर ने खुदकुशी कर ली। वह अपनी मां के साथ बहन से मिलने के लिए सोसाइटी में आए थे। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि वह मानसिक बीमारी से पीड़ित थे।

बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक 29 वर्षीय शिवा शर्मा महाविद्या कॉलोनी गोविंद नगर मथुरा में परिवार के साथ रहते थे। उन्होंने मुंबई से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। शिवा को अगले महीने इंटर्नशिप के लिए महाराष्ट्र के नासिक जाना था। डॉक्टर शिवा सोमवार को अपनी मां के साथ गौर सिटी-2 सोसाइटी में रहने वाली अपनी बहन से मिलने पहुंचे। उन्होंने दोपहर में 21वीं मंजिल से छलांग लगा दी। सोसाइटी के लोग उन्हें नजदीक के एक अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने शिवा शर्मा को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि डॉक्टर शिवा मानसिक बीमारी से पीड़ित थे। बेंगलुरु से उनका इलाज चल रहा था। आशंका है कि बीमारी के चलते उन्होंने यह कदम उठाया।

हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिसरख कोतवाली पुलिस का कहना है कि डॉक्टर शिवा ने 21वीं मंजिल से कूदकर जान दी। हालांकि, पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस घटना के बाद से मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के समय मां और बहन अंदर कमरे में थीं। इसी बीच डॉक्टर शिव बाहर निकले और नीचे छलांग लगा दी। मां और बहन को जब इस घटना का पता चला तो उनकी चीख निकल गई। परिवार के अन्य लोग व रिश्तेदार भी घटनास्थल पर पहुंच गए। हाईराइज सोसाइटी में रहने वाले लोग अवसाद और बीमारी से टूट रहे हैं। 10 दिन पहले भी एक सोसाइटी में मां-बेटे ने 13वीं मंजिल से कूद कर जान दी थी। पुलिस ने बताया था कि महिला अपने बेटे की बीमारी से परेशान थी। उसका इलाज नहीं हो पा रहा था। इसके अलावा भी इस तरह की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं।

शिक्षा के मंदिरों के अलावा पुलिस मुख्यालय के सामने सड़कों पर 'खुलेआम' छलकाए जा रहे जाम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में नई आबकारी नीति की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है। प्रतिबंध के बाद भी लोग खुलेआम सड़क किनारे जाम छलका रहे हैं। शहर में शिक्षा के मंदिरों के पास हो या पुलिस कप्तान कार्यलय दोपहर हो या शाम पियक्कड़ों की महफिल दिनभर सड़क किनारे लगी रहती है।

जिसका स्कूली बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है,पड़ताल में सामने आया कि नई व्यवस्था के बाद भी लोग शराब दुकानों और सार्वजनिक स्थानों का उपयोग शराबखोरी करने के लिए कर रहे हैं। इन स्थानों पर प्रतिदिन पुलिस गश्त करती है। लेकिन उनके द्वारा शराबखोरों पर अंकुश लगाने मात्र खानापूर्ति की जाती है। खुलेआम सड़कों और चौराहों पर शराब पीने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग और पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करती है। जिले में वैसे तो मिशन शक्ति अभियान पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है,लेकिन शराबियों द्वारा राहगीर युवतियों और महिलाओं पर गंदी फब्बितयां कस कर मिशन शक्ति अभियान को चुनौती देते हुये धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

इन स्थानों पर सड़कें बन जाती मयखाना

तस्वीर महल चौराहा,सासनीगेट चौराहा के पास,एटा चुंगी चौराहा पला साहिबाबाद फाटक के पास व अन्य शराब दुकानों के आसपास अक्सर लोगों की भीड़ जुटी रहती है। इन दुकानों के इर्द-गिर्द लगे ठेले और गुमटियों का उपयोग शराबियों द्वारा मयखाने के तौर पर

होता है। ठेले व गुमटियों में शराबियों को लगभग सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। शराबखोरों का सबसे अधिक जमावड़ा तस्वीर महल चौराहा की दुकानों के पास होता है। शाम को यहां लगाए गए ठेले पर शराबियों का मजमा लग जाता है। दुकान से शराब की बोतल खरीदने के बाद अंडे और भेल की ठेलों पर आते हैं। रात होते यह इलाका मयखाने के रूप में बदल जाता है। यहां रात 10 बजे तक यही हाल होता है।

पुलिस कप्तान कार्यालय पर आने वाली महिलाओं को होती परेशानी

पुलिस मुख्यालय नजदीक होने के कारण आने और जाने की भीड़ लगी रहती है। इससे यहां शाम के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होने लगती है। इसके चलते यहां से गुजरने वाले लेगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कभी कभी यहां शराबी और राहगीर आपस में भिड़ जाते हैं। इस हादसे के चलते उनको शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। शराबखोरों का मजमा आसानी से देखा जा सकता है। शराब दुकानों पर शराबियों की लंबी कतारे होती हैं। यहां स्थित बार के चलते दिनभर यातायाता प्रभावित रहता है। इनके आसपास स्थित ठेले इनमें चिकन मटन के अलावा भेल मिक्चर की दुकाने शामिल होती है। इन दुकानों पर शराबियों को पीने पिलाने की सभी सुविधाएं आसानी प्राप्त हो जाती है।

छींटाकशी से युवतियां व महिलाएं परेशान

दुकान से शराब खरीदकर वे ठेलों पर डिस्पोजल और चखने के साथ शराब पीते हैं। इनमें सार्वधिक आटो और रिक्शा चालक होते हैं, जो सड़क किनारे अपने वाहनों को छोड़कर ठेले पर शराब पीते आसानी से मिल जाएंगे। आम लोगों के लिए बने सिरदर्द तस्वीर महल स्थित शराब दुकान के आसपास रात में शराब पीने के बाद शराबी बीच सड़क और मैदान में शराब की बोतलों को फोड़कर चले जाते हैं। इनसे निकले कांच के टुकड़े सड़क पर बिखरे होते हैं। सुबह वॉक में जाने वाले लोगों के पांव पड़ता है। इससे उनके पैरों पर कांच के टुकड़े घुस जाते हैं। छींटाकशी से युवतियां व महिलाएं परेशान है,शराब दुकानों के आसपास दिनभर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। शराबी आपस में गाली-गलौज के साथ मारपीट भी करते हैं।

नशे में चूर शराबियों द्वारा गंदी फब्तियां से युवतियां होती शर्मसार

सबसे ज्यादा परेशान सड़कों पर गुजरने वाली महिलाएं और युवतियां हो रहीं हैं। राश्ते पर गुजरते समय नशे में चूर शराबियों द्वारा गंदी फब्तियां कसते हैं। इससे उन्हें शर्मसार होना पड़ता है।

सिद्धू मूसेवाला के पिता मानसा सीट से लड़ सकते हैं विधानसभा चुनाव

बोले- उसका सपना पूरा करूंगा

बठिंडा, एजेंसी।
पंजाब के लोकप्रिय गायक दिवंगत सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह जल्द ही चुनाव लड़ते नजर आ सकते हैं। बलकौर सिंह ने खुद इसका ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि वह पंजाब के अगले विधानसभा चुनाव में मानसा से लड़ना चाहते हैं। बता दें कि यह वही सीट है जहां से उनके बेटे ने

2022 के चुनावों में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हालांकि मूसेवाला तब चुनाव हार गए थे।

रविवार को मानसा में कांग्रेस पार्टी के एक कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, बलकौर ने कहा कि मानसा के लोगों ने उन्हें अपने बेटे को खोने के बाद ताकत दी है और वे अब भी परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, हम चुनाव लड़ेंगे। मुझे आपके समर्थन की जरूरत है। आप मेरी ताकत हैं। बलकौर सिंह ने आगे कहा, विधानसभा पहुंचना मेरे बेटे की अधूरी इच्छा थी। हम चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। फिर मैं अपने बेटे की इच्छा पूरी करने के लिए उसकी तस्वीर लेकर विधानसभा जाऊंगा। गौरतलब है कि सिद्धू मूसेवाला के नाम से मशहूर शुभदीप सिंह सिद्धू की 29 मई, 2022 को पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सिद्धू मूसेवाला ने 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर मानसा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें आप उम्मीदवार से हार का सामना करना पड़ा था।

हिमाचल प्रदेश में दशहरे के बाद फिर बदलेगा मौसम, आंधी के साथ बारिश की चेतावनी

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में इस समय मानसून की विदाई के बाद खुशनुमा मौसम बना हुआ है। पहाड़ों से लेकर मैदानों में रोजाना धूप खिल रही है और लोगों को उमस भरी गर्मी के बीच सुहाना मौसम राहत दे रहा है। हालांकि यह राहत ज्यादा दिनों तक टिकने वाली नहीं है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि दशहरे के बाद प्रदेश में मौसम करवट लेगा और बारिश के साथ अंधड़ चलने की संभावना है। इसके लिए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 30 सितम्बर से 3 अक्तूबर तक प्रदेश भर में मौसम साफ बना रहेगा। इस दौरान धूप खिलने से दिन के समय गर्मी का अहसास होगा जबकि सुबह और शाम ठंड का असर बढ़ेगा। 2 अक्तूबर को दशहरा है और उस दिन भी मौसम साफ रहने का अनुमान है। लेकिन इसके बाद 4 अक्तूबर से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम बदल जाएगा।

30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चल सकता है

विभाग का कहना है कि 4 अक्तूबर को मध्य व उच्च पर्वतीय इलाकों में बारिश होने की संभावना है। वहीं, 5 अक्तूबर को पूरे प्रदेश में मौसम खराब रहेगा। इन दोनों दिनों के लिए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई स्थानों पर तेज अंधड़ चलने, बारिश होने और आसमानी बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। विभाग के अनुसार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चल सकता है। इस कारण लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। यह पहली बार होगा जब मानसून की विदाई के बाद प्रदेश में खराब मौसम का अलर्ट जारी किया गया है। गौरतलब है कि हिमाचल से मानसून की विदाई 26 सितम्बर को हुई थी। मानसून के हटते ही राज्यभर में दिन में धूप खिल रही है और लोग मौसम का आनंद ले रहे हैं। सोमवार को भी प्रदेश में दिनभर धूप खिली रही, हालांकि राजधानी शिमला में धूप के साथ बादल भी छाए रहे। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को हिमाचल का औसतन अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सुंदरनगर में पारा 32.9 डिग्री तक पहुंच गया। भुंतर में अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री, धर्मशाला में 30 डिग्री, ऊना में 35.8 डिग्री, सोलन में 30 डिग्री, मनाली में 26.5 डिग्री, धौलाकुआं में 32.4 डिग्री, हमीरपुर में 31.6 डिग्री और बिलासपुर में 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

नीतिगत दरों में कटौती कर मांग बढ़ाने पर होना चाहिए जोर

इंद्र शेखर शाह

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 29 सितंबर को तीन दिवसीय बैठक के लिए बुलाई जाएगी, जिसमें 1 अक्टूबर को नीतिगत निर्णय की घोषणा की जाएगी। यह बैठक अर्थव्यवस्था के लिए एक नाजुक समय पर हो रही है। एक ओर, आरबीआई ने फरवरी से रेपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती की है, जिसमें अगश्त में विराम लगाने से पहले लगातार तीन कटौतियाँ शामिल हैं। दूसरी ओर, संयुक्त राज्य अमेरिका के नए टैरिफ सहित वैश्विक हेडविंड ने भारत के निर्यात पर दबाव बढ़ा दिया है।

अगश्त से प्रभावी भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले ने भारत के बाहरी क्षेत्र को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं। साथ ही, 22 सितंबर से लागू हुई जीएसटी दरों में कटौती उपभोग को प्रोत्साहित करने और घरेलू विनिर्माण को समर्थन देने के लिए की गई है। इस पृष्ठभूमि में, आरबीआई को यह विचार करना होगा कि मांग को बढ़ावा देने के लिए एक और कटौती की जाए या नीतिगत स्थिरता बनाए रखने के लिए इसे स्थगित रखा जाए। मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले श्तर पर

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति असामान्य रूप से कम बनी हुई है। सितंबर और अक्टूबर में मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से नीचे रही, जो आरबीआई के मध्यम अवधि के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी कम है। इसके मद्देनजर आगामी बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती किये जाने की संभावना दिख रही है लेकिन वर्तमान में जो वैश्विक स्थिति है उसके मद्देनजर तत्काल नीतिगत दरों में कोई कमी की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

कम मुद्रास्फीति बाहरी जोखिमों का मुकाबला करने के लिए घरेलू मांग को बढ़ावा देने की गुंजाइश प्रदान करती है। निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ का नकारात्मक प्रभाव जीएसटी कटौती से उपभोग में आई तेजी की भरपाई से कहीं अधिक हो सकता है, जिससे मौद्रिक ढील की मांग और मजबूत होगी। उद्योग की नज़र उधारी लागत पर है।

वित्तीय सेवा उद्योग, विशेष रूप से गैर-बैंक ऋणदाताओं और फिनटेक कंपनियों के लिए, नीतिगत परिणाम सीधे तौर पर वित्तपोषण लागत और ऋण प्रवाह को प्रभावित करेंगे। आरबीआई का रुख खुदरा और लघु व्यवसाय क्षेत्रों में ऋणों की सामर्थ्य को प्रभावित करेगा। 'आगामी आरबीआई एमपीसी बैठक में, ध्यान इस बात पर केंद्रित होगा कि क्या केंद्रीय बैंक अपने सोचे-समझे रुख पर वापस लौटता है या मामूली दरों में कटौती करता है। यदि 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की जाती है, तो इससे ऋण संचरण में तेजी आ सकती है, उधार दरें कम हो सकती हैं और उपभोग-संचालित क्षेत्रों में मांग बनी रह सकती है। दूसरी ओर, दरों पर यथास्थिति नीतिगत स्थिरता प्रदान करेगी। आरबीआई का आगे का मार्गदर्शन भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। यह न केवल बैंकों और एनबीएफसी का मार्गदर्शन करेगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि फिनटेक ऋणदाता त्योहारों की चरम माँग के दौरान अपने उत्पाद नवाचार और जोखिम प्रबंधन रणनीतियों की योजना कैसे बनाते हैं। विकास की गति का एक उदाहरण कम मुद्रास्फीति और हाल ही में जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने का संयोजन आरबीआई को आर्थिक गति को सुदृढ़ करने का एक खुला अवसर प्रदान करता है और 25 आधार अंकों की एक सुनियोजित कटौती वित्तीय स्थिरता को खतरे में डाले बिना उधार को वहनीय बनाए रखेगी। ऐसा कदम उधार लेने की लागत कम करेगा, माँग को बढ़ावा देगा और ऋण प्रवाह को आसान बनाएगा - विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में एमएसएमई और छोटे उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। त्योहारों की माँग के करीब होने के साथ, एक सहायक नीति जमीनी श्तर पर वित्तीय समावेशन को एक मज़बूत बढ़ावा दे सकती है। ब्याज दरों से निकटता से जुड़ा रियल एस्टेट क्षेत्र भी एक सहायक निर्णय की आशा कर रहा है।

आगामी निर्णय केवल अल्पकालिक उधारी लागतों के बारे में नहीं है। यह आरबीआई की विश्वसनीयता और उसके भविष्य के दिशानिर्देशों की स्पष्टता के बारे में भी है। केंद्रीय बैंक के सामने विकास की गति को बनाए रखने के लिए अमेरिकी टैरिफ से होने वाले बाहरी जोखिमों और घरेलू अनिवार्यताओं के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है। मुद्रास्फीति के कारण नीतिगत गुंजाइश में असामान्य वृद्धि के साथ, बाजार की उत्सुकता से नज़र रहेगी कि क्या आरबीआई इस अवसर का लाभ उठाकर एक और ब्याज दर में कटौती करता है या सतर्क रहकर वैश्विक घटनाक्रमों का पुनर्मूल्यांकन करना पसंद करता है। एमपीसी की घोषणा वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में भारत की मौद्रिक नीति की दिशा तय कर सकती है और संभवतः यह निर्धारित कर सकती है कि क्या अर्थव्यवस्था घरेलू विकास को लचीला बनाए रखते हुए बाहरी उथल-पुथल से निपट सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

किरतपुर में मासूम से दुष्कर्म का आरोप, नाबालिग आरोपी पुलिस हिरासत में

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷। थाना किरतपुर क्षेत्र में एक छह वर्षीय बच्ची से नाबालिग द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने नाबालिग आरोपी को हिरासत में लेकर तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना किरतपुर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की है। पीड़ित बच्ची की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार शाम उनकी छह वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला एक नाबालिग उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची ने घर आकर अपनी मां को पूरी बात बताई। इसके बाद मां बच्ची को लेकर थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नाबालिग आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। सोमवार देर शाम आरोपी को हिरासत में लिया गया और कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। किरतपुर थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है।

भूत उतारने के नाम पर आश्रम के पुजारी ने महिला की कर डाली पिटाई

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। भूत उतारने के नाम पर आश्रम के पुजारी ने एक महिला की पिटाई की। शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस पुजारी को हिरासत में ले लिया। बताया जाता है कि ग्राम रामपुर स्थित एक आश्रम में रविवार को दुख निवारण दरबार लगाया जाता है। इस रविवार नूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला उक्त आश्रम में आई थी। आरोप है कि आश्रम के पुजारी दीपक निवासी अमरोहा ने उस पर भूत का साया होने की बात कहते हुए उसके साथ मारपीट की। महिला ने डॉयल 112 पर मामले की शिकायत की। मौके पर पहुंची पुलिस पुजारी को थाने ले आई। पुलिस ने उसका शांति भंग में चालान कर दिया। पुलिस ने तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई करने की बात कही है।

जालपुर आजाद समाज पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जालपुर में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में ग्राम जालपुर के बड़ी संख्या में लोगों ने आज़ाद समाज पार्टी (आसपा) की सदस्यता ग्रहण की और आगामी चुनाव में पार्टी को वोट देने का संकल्प लिया। ग्रामवासियों ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में नजीबाबाद विधानसभा विकास की दौड़ में काफी पिछड़ गई है। न सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए संसाधन उपलब्ध हैं। न ही अस्पतालों में गरीबों का उचित इलाज हो पाता है। न सरकारी अस्पतालों में ICU, डायलिसिस और जांच की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। लोगों ने कहा कि इस बार कोई चूक नहीं होगी और नजीबाबाद से आसपा का विधायक चुना जाएगा। वर्तमान विधायक पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने हमेशा जनता को भाजपा का डर दिखाकर वोट तो लिए, लेकिन विकास कार्यों की अनदेखी की, जिससे क्षेत्र पिछड़ता गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि साहनपुर चेयरमैन एवं आसपा मुरादाबाद मण्डल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी मौजूद रहे। साथ ही नवाजिश, दानिश शहज़ाद, मतलूब, मुश्तकीम, नाज़िर, प्रभा, देवेंद्र सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

श्री महाकाली मंदिर में विशाल भंडारा आज

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। श्री नवदुर्गा महाकाली मंदिर समिति की ओर से नवरात्रों पर विशाल भंडारे का आयोजन इस वर्ष भी होगा। भंडारे से पहले मंदिर परिसर में श्री महाकाली की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। समिति के संस्थापक पवन कुमार अग्रवाल व सुपुत्र अर्चित अग्रवाल ने बताया कि 1 अक्टूबर को शारदीय नवरात्रों की नौमी पर श्री महाकाली में सुबह 11 बजे हवन यज्ञ व दोपहर 12 बजे भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की।

युवती से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगीना देहात में युवती से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रदुम पुत्र राजेश निवासी ग्राम भदौला के रूप में हुई है। यह मामला नगीना देहात थाना क्षेत्र का है। 25 जुलाई 2025 को एक महिला ने थाने में तहरीर दी थी। महिला ने बताया था कि 23 जुलाई 2025 को प्रदुम ने उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 178/25, धारा 74/333 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था। घटना के बाद से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। उपनिरीक्षक हिमांशु और कॉन्स्टेबल आशीष ने आरोपी प्रद्युमन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ग्राम भदौला, थाना नगीना देहात, जनपद बिजनौर का रहने वाला है। पुलिस द्वारा आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर अरुण उर्फ गोपी ने फांसी लगाकर दी जान

मृतक ने अपने पीछे रोती-बिलखती पत्नी और मासूम बेटी को छोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

मंगलवार सुबह झालू कस्बे के मोहल्ला चौधरियान में उस समय सनसनी फैल गई ।जब अरुण कुमार उर्फ गोपी (45) पुत्र छोटन उर्फ जोगराज ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार देर रात अरुण घर लौटा और सीधे अपने कमरे में चला गया। पत्नी ने उसे भोजन के लिए बुलाया।, लेकिन उसने मना कर दिया और कमरे को अंदर से बंद कर लिया।

सुबह जब पत्नी ने आवाज दी तो कोई जवाब नहीं मिला। शोर मचाने पर परिजन और पड़ोसी जुटे। दरवाजा तोड़ा गया तो अरुण फंदे से लटका मिला।

घटना की जानकारी सबसे पहले मृतक के मामा कार्मेंद्र सिह राणा ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज कुलदीप सिंह, थाना प्रभारी हल्दौर और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और अन्य साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय बिजनौर भेजा गया।हिस्ट्रीशीटर गोपी की इस आत्महत्या का कोई कारण साफ नही हो सका।

अपराधिक इतिहास:
पुलिस रिकॉर्ड में अरुण उर्फ गोपी हिस्ट्रीशीटर अपराधी था। उस पर हत्या (302), हत्या के प्रयास (307) समेत आधा दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गोपी लंबे समय से शराब का आदी था। इसी कारण घर में आए दिन विवाद होता था। माना जा रहा है कि इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया।

परिवार पर टूटा दुख का पहाड़:
अरुण अपने पीछे अपनी पत्नी और लगभग 6 साल की मासूम बेटी को छोड़ गया है। घटना के बाद से पत्नी और बच्ची का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवारजन व पड़ोसी उन्हें संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन घर का माहौल ग़मगीन है।

मामले की विश्तरित जानकारी के लिए थाना प्रभारी हल्दौर ने फोन नहीं उठाया। वही झालू चौकी इंचार्ज कुलदीप सिंह ने बताया, "मंगलवार सुबह सूचना प्राप्त होते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। जांच के बाद ही पता चल पाएगा। जांच की जा रही है।

जेवीएम के नवीन भवनों का हुआ शिलान्यास

एसडीएम स्मृति मिश्रा (आईएएस) ने किया अनावरण।

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नहटौर के भवन नवीनीकरण का शिलान्यास एसडीएम धामपुर स्मृति मिश्रा (आईएएस)ने किया। स्कूली छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशतुति दी।

कॉलेज प्रबंध समिति द्वारा दानदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम स्मृति मिश्रा ने कहा कि विद्या देश की नींव को मजबूत करती है।

उन्होंने सभी दानदाताओं की विद्यालय प्रगति के लिए सराहना की। समाजसेवा भी देशप्रेम है। जीवन को अनुशासित ढंग से जीना, अपने कर्त्तव्य को जानना भी देशप्रेम है।

स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशतुति दी गई। छात्रा ने हाथों से बनाई एक स्कैच एसडीएम को दिया। राजीव कुमार जैन ने स्कूल इतिहास के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम को नायब तहसीलदार राजकमल सिंह, अधिशासी अधिकारी ओमगिरी, राजकमल जैन (किरतपुर वाले),पूर्व प्रधानाचार्य पीयूष त्रिपाठी, चरण सिंह शर्मा, एचएमआई प्रधानाचार्य बिलाल जैदी, बबीता रानी, प्रधानाचार्य हेमंत सागर आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुराग जैन ने की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रबंधक संदीप कुमार जैन, अध्यक्ष अनुराग जैन, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र जैन शैलू, सिद्धान्त जैन, पंकज जैन, सौरभ जैन, कमल जैन, अजय जैन, दीपक जैन, श्रेयांस जैन, राजेश जैन, मनोज जैन,साहू सुधीर अग्रवाल, महावीर सैनी, राजस्व निरीक्षक ओमवीर सिंह, लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, लिपिक विशेष कुमार उपाध्याय आदि भारी संख्या में गण मान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नगर में मां काली मंदिर पर अष्टमी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सुरक्षा को लेकर चोकी प्रभारी कुलदीप सिह टीम के साथ रहे सतर्क

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर स्थित प्राचीन मां काली मंदिर में रविवार को अष्टमी पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्त माता के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे और माता के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

महिलाओं ने अपने घरों में कन्या पूजन और हवन करने के बाद परिवार सहित मंदिर पहुंचकर माता का आशीर्वाद लिया।

मंदिर में अष्टमी के अवसर पर मां काली मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। मां काली का भव्य श्रृंगार देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। सुबह से ही मंदिर में दिनभर नारियल, चुनरी, मिठाई और प्रसाद अर्पित करने वालों की लंबी कतारें लगी रहीं।

कन्या पूजन की परंपरा
नगर की महिलाओं ने घर-घर में कन्या पूजन कर नवदुर्गा स्वरूप कन्याओं को भोजन कराया और उपहार भेंट किए। मान्यता है कि कन्याओं को भोजन कराकर मां दुर्गा की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है। इसी परंपरा के पालन के बाद लोग मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे।

नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने मंदिर पहुंचकर सफाई व्यवस्था और लाइटिंग का विशेष ध्यान दिलाया। उन्होंने स्वयं माता के दर्शन किए और श्रद्धालुओं से हाल-चाल भी पूछा। चौधरी ने कहा कि नवरात्रि पर्व पर नगर पंचायत द्वारा हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है ताकि किसी भी भक्त को असुविधा न हो। वहीं झालू चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह ने सुबह से ही सुरक्षा की कमान संभाले रखी। उन्होंने अपनी टीम के साथ मंदिर परिसर और आने-जाने वाले मार्गों पर लगातार निगरानी बनाए रखी। पुलिस बल की सतर्कता से श्रद्धालु निश्चिंत होकर पूजा-अर्चना कर सके।

मंदिर परिसर में सुबह से देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा। स्थानीय श्रद्धालु अष्टमी के दिन मां काली के दर्शन के लिए मंदिर आते हैं।

उनका विश्वास है कि मां के आशीर्वाद से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं माता की शक्ति की अनुभूति इस दिन कुछ अलग ही होती है। पूरे नगर में अष्टमी पर्व को लेकर धार्मिक उल्लास और आस्था का माहौल बना रहा।

सत्संग रोकने का आरोप, मसीह समाज ने प्रशासन से मांगी सुरक्षा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

मसीह समाज राजनीतिक दल ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि प्रभु यीशु मसीह की पूजा व सत्संग के दौरान कुछ लोग अनुयायियों को जबरन रोकते हैं। संगठन ने प्रशासन से रविवार को निर्धारित समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सत्संग के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजेश जरावे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अनुयायी कलेक्ट्रेट पहुंचे और नारेबाजी के बीच धरने पर बैठ गए। इस दौरान अंजेश जरावे ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धर्म मानने और उसका प्रचार-प्रसार करने की स्वतंत्रता देता है, लेकिन कुछ तत्व इस अधिकार में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सूरज कुमार पुत्र नंदराम सिंह निवासी ग्राम पूरनपुर थाना बढ़ापुर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रविवार को सत्संग के दौरान चंदर निवासी बिजोरी और भीम निवासी गोंडा सराय समेत अन्य लोगों ने गाली-गलौज करते हुए कार्यक्रम रुकवा दिया।

प्रदेश अध्यक्ष चंद्र किरण ने तहसीलदार सदर आशीष सक्सेना को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि आगामी रविवार को सत्संग में कोई बाधा डाली गई तो अनुयायी बड़ी संख्या में पुनः कलेक्ट्रेट पर धरना देंगे।

वहीं मण्डावर निवासी राजकुमार राजा, जिन्होंने हाल ही में धर्म परिवर्तन कर प्रभु यीशु को अपनाया है, ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उन्हें मोहल्ला छोड़ने के लिए दबाव बना रहे हैं। धरने में शोभा, गुड्डू, सुलोचना, नेहा, शालू, प्रमोद, पूजा रानी, वंशिका, टिंकू, सुनील, शिवानी, ज्योति, लक्ष्मी, राखी, मानसी, रुक्मेश, शांति, सोनम, संजना, आंचल, ओमवती, दीक्षा रानी, राधिका, दीपाली, खुशी, खुशबू, विनोद, रवि, निधि, लखन, सुरेश, अभिषेक कुमार सहित बड़ी संख्या में अनुयायी शामिल हुए। तहसीलदार सदर ने ज्ञापन पर जांच कराने का आश्वासन दिया।

ग्राम महमदाबाद में महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

एसपी बिजनौर के निर्देशन में थाना हल्दौर क्षेत्र के ग्राम महमदाबाद में मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिला सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा के साथ-साथ विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, नशा मुक्ति अभियान, कन्या सुमंगला योजना, रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष, वन स्टॉप सेंटर और महिला शक्ति केंद्र जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से अपील की कि छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें। साथ ही भरोसा दिलाया कि पीड़िता का नाम व पता गोपनीय रखा जाएगा। अभियान के दौरान महिलाओं को साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने के उपाय, ऑनलाइन फ्रॉड, फ़िशिंग, डेटा सुरक्षा और साइबर धमकी की स्थिति में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई।

बिजनौर में सपा नेता और भाई पर केस दर्ज

होटल मालिक ने बिल न देने, धमकी और बदनाम करने का आरोप लगाया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बिजनौर में एक होटल में मालिक ने समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े एक स्थानीय नेता के भाई और नेता पर गंभीर आरोप लगाते हुए शहर कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। होटल मालिक ने बिल न चुकाने, धमकी देने और प्रतिष्ठान को बदनाम करने का आरोप लगाया है।

अल खूजैमा होटल के मालिक रिजवान अहमद पुत्र निसार अहमद ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब चार- पांच महीने पहले आफताब पुत्र फरीद अपने दोस्तों के साथ होटल में खाना खाने आया था।

जब कर्मचारी ने बिल मांगा, तो आफताब ने भुगतान करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि उसने गाली गलौज करते हुए धमकी दी कि उसका बड़ा भाई हाजी जावेद सपा का बड़ा नेता है और बिल मांगने पर होटल बंद करा देगा।

रिजवान अहमद का आरोप है कि इसके बाद आफताब ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर होटल के खिलाफ भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट डाली, जिसमें खाने में गंदगी मिलाने का आरोप लगाया गया था। होटल मालिक के अनुसार, वे अपने प्रतिष्ठान पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं, लेकिन इस पोस्ट से होटल की साख को भारी नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि इस झूठी पोस्ट के कारण होटल की मासिक बिक्री में लगभग पांच लाख रुपये की गिरावट आई है।

रिजवान ने यह भी आरोप लगाया कि आफताब और उसके भाई हाजी जावेद राइन लगातार उन पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 16 अगश्त 2025 को उन्होंने थाना कोतवाली शहर में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद कथित तौर पर दोनों ने उन्हें धमकाया कि यदि होटल चलाना है, तो हर महीने दो लाख रुपये देने होंगे, अन्यथा होटल बंद करा दिया जाएगा।

शहर कोतवाल धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। वहीं, हाजी जावेद, जो सपा के पूर्व अल्पंख्यक सभा जिलाध्यक्ष और पूर्व प्रदेश सचिव रह चुके हैं, ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया जा रहा है।

अनूप बाल्मीकि व प्रमोद चौहान ने स्वास्थ्य केंद्र नगीना में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पर लगने वाले स्वास्थ्य शिविर का उद्धघाटन एक भव्य समारोह में क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान मण्डल अध्यक्ष अंजलि मित्तल ने सामूहिक रूप से फीता काटकर किया।

इससे पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक विशाल दिवाकर, डॉक्टर आशीष अहलावत, डॉक्टर माज, डॉ विशाल, डॉक्टर मीनाक्षी रश्तोगी, डॉक्टर विशेष सिंह, फार्मासिस्ट प्यारेलाल, फार्मासिस्ट मगन रावत, फार्मासिस्ट अभय चौहान, फार्मासिस्ट अनमोल सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प देकर किया।

क्षेत्रिय मंत्री अनूप वाल्मीकि प्रदेश व केंद्र सरकार की उपलब्धियां पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सरकार देश के गरीब और असहाय लोगों को समर्पित है। सरकार देश के हर वर्ग का ध्यान रख रही है ये स्वास्थ्य शिविर जनता के प्रति सरकार की मंशा को दर्शाता है। जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन से प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पूरे जनपद में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिवरों का आयोजन किया जा रहा है इन शिवरों का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है। शिविर में लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड व पुष्टाहार का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कुल 1252 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण का दवा का वितरण किया गया।

शिविर की समाप्ति पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना के अधीक्षक विशाल दिवाकर ने स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में सभी अतिथि डॉक्टरो तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी डाक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ व कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री सतीश गौतम, नीरज बिश्नोई , सचिन शर्मा, सोहन सैनी, कृष्ण बल्देव सिंह, गर्विंत चौधरी, जितेंद्र राठी, अरुण शर्मा, ओमप्रकाश सैनी, अतुल भारती, शिवा मिगलानी, आदि राठौर, लवी मित्तल, दिनेश चौधरी, सरदार हरमीत, तिलक मुठरेजा, ओमपाल, सभासद बृजमोहन विश्नोई आदि सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टर, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीएम जसजीत कौर की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 व पोषण माह के अंतर्गत कन्याओं का पूजन का कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत की अध्यक्षता में कौर मिशन शक्ति 5.0 व पोषण माह के अंतर्गत के विकास भवन प्रांगण में 101 कन्याओं का कन्यापूजन का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मो. पुर देवमल, उपायुक्त स्वतः रोजगार, जिला कार्यक्रम अधिकारी व आईसीडीएस विभाग के अन्य कार्मिक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम में डीएम श्रीमती कौर द्वारा समश्त कन्याओं का विधिपूर्वक पूजन करते हुए भोजन कराया गया ।उन्हें पाठ्य सामग्री उपहार में देते हुए उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जनपद में महिला सुरक्षा और संरक्षा को बढावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कन्यापूजन का यह कार्यक्रम आईसीडीएस विभाग द्वारा जनपद के समश्त विकास खण्ड मुख्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

महिलाओं सशक्तिकरण को लेकर पुलिस गंभीर! सीओ

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 30 सितम्बर 2025 को कंपोजिट विद्यालय तिवारी, थाना धामपुर में महिलाओं को जागरूक करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अभियान की विशेषता यह रही कि कार्यक्रम में महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा व अधिकारों के बारे में विश्तार से जानकारी दी गई। जिसमें धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडेय की सक्रिय भूमिका विशेष रूप से देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई,। जिसमें – महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन नंबर 112, स्वास्थ्य सेवा नंबर 102 एंबुलेंस 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930,जैसे अति आवश्यक नंबर शामिल रहे।

क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडेय ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, साइबर अपराध और सोशल मीडिया पर होने वाले उत्पीड़न के खिलाफ महिलाएं निडर होकर आवाज उठाएं। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि यदि कोई मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजकर परेशान करता है तो तत्काल पुलिस और हेल्पलाइन की मदद लें।

महिलाओं की समस्याएं भी मौके पर सुनी गईं और समाधान का आश्वासन दिया गया। लोगों ने क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडेय की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि वे हमेशा समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर गंभीर रहते हैं। क्षेत्र में महिला सुरक्षा को लेकर उनके प्रयासों ने एक नई ऊर्जा व सशक्त वातावरण पैदा किया है !और मिशन शक्ति अभियान को सफल बनाने में उनका अहम योगदान है।

कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रतीकात्मक रूप से बनाया गया प्रशासनिक अधिकारी

अपने दायित्वों का मेहनत और लगन से निवर्हन करेंगे तो सम्मानित पद पर होगें आसीन: सीडीओ

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान 5.0 (फेज—05) का शुभारम्भ किया गया।

जिसका जनपद में सफल आयोजन एवं संचालन के सम्बंध में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रतीकात्मक रूप से प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया। साथ ही उपस्थित छात्राओं को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।इस दौरान ए.एन.इन्टर कॉलेज, महर्षि दयानन्द विद्यापीठ इन्टर कॉलेज, कन्या वैदिक विद्यालय इन्टर कॉलेज, एलआर इन्टर कॉलेज राम विहार लोनी, जेएलएम गर्ल्स इन्टर कॉलेज मुरादनगर, सुरेश देवी मेमोरियल इन्टर कॉलेज लोनी की छात्राऐं अपनी अध्यापिकाओं के साथ कलेक्ट्रेट में उपस्थित रही।

इस दौरान सौफिया पुत्री अखलाख, ए.एन.इन्टर कॉलेज को मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल द्वारा इस दौरान सौफिया सहित उपस्थित सभी छात्राओं को विभागीय कार्य करने के तरीकों सहित अन्य जानकारियों से अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी छात्राओं से कहा कि हर किसी को अपने दायित्वों को पूर्ण ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ निवर्हन करना चाहिए।

जिस प्रकार आप लोगों के द्वारा अच्छे से पढ़ाई करने के पश्चात आज आप लोगों को सम्मानित किया जा रहा है, ठीक यदि आप अपने दायित्वों को हमेशा मेहनत और लगन से निवर्हन करेंगे तो आने वाले समय में आप सम्मानित पद पर आसीन होंगे। मेरी शुभकामनाऐं आपके साथ हैं।

इस क्रम में सभी लड़कियों को प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया। जिससे सभी अध्यापिकाऐं और छात्राऐं प्रसन्न हुई।

पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को पीलीभीत ले गए परिजन

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर ✷

बिसरख कोतवाली क्षेत्र के रोजा जलालपुर गांव में पत्नी और छह साल के साले की हत्या कर आरोपी के खुद आत्महत्या करने के मामले में मृतकों के शवों का मंगलवार को पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव को पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। परिजन शवों को पीलीभीत ले गए।

मूलरूप से गजरौला पीलीभीत निवासी नारायण लाल के दामाद पप्पू लाल (22) ने सोमवार को रोजा जलालपुर स्थित घर पर अपनी पत्नी जसवंती (21) और साले तेज प्रकाश (6) की सिर पर ईंट और डंडे से वार कर हत्या कर दी थी।

आरोपी ने पत्नी से कहासुनी के बाद पहले पत्नी पर वार किया और फिर बीच बचाव के लिए आए साले को भी नहीं छोड़ा था।

अपहरण व बंधक बनाने के आरोपी को नहीं मिली राहत

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर ✷

पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने 14 वर्षीय किशोरी के अपहरण और बंधक बनाकर रखने के मामले में आरोपी अशोक की दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि पहली जमानत याचिका के खारिज होने के बाद से मामले में कोई परिवर्तित परिस्थितियां उत्पन्न नहीं हुई हैं, जो आरोपी को जमानत देने का आधार बन सकें।

मामला बीटा-2 थाना में दर्ज है। इस साल 8 मई की शिकायतकर्ता की 14 वर्षीय पुत्री निजी अस्पताल गई थी। वहां से बिना किसी को बताए कहीं चली गई। परिवार वालों ने उसे ढूंढ़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। पांच दिन बाद 13 मई को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जांच में पता चला कि आरोपी अशोक ने नाबालिग को एक दूसरे शहर ले जाकर लगभग दो महीने तक बंधक बनाकर रखा।

संपादकीय

'जलते पुतले, बढ़ते रावण : दशहरे का बदलता अर्थ'

हर साल जब दशहरे की शाम को रावण के विशाल पुतले धू-धू कर जलते हैं, तो दर्शकों की आँखों में उत्सव का रोमांच दिखाई देता है। पटाखों की गड़गड़ाहट, आतिशबाजी की चमक और भीड़ का शोर इस पर्व को एक रंगीन उत्सव में बदल देता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस पूरे आयोजन का संदेश 'बुराई पर अच्छाई की जीत' हमारे जीवन और समाज में कहीं उतर पाता है?

आज दशहरा एक मनोरंजन का ट्रेंड बनकर रह गया है। लोग पुतले जलाते हैं, फोटो और वीडियो बनाते हैं, सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। लेकिन यह सोचने का समय शायद ही निकालते हैं कि यह रावण दहन केवल परंपरा निभाने के लिए नहीं, बल्कि हमें आत्ममंथन और सामाजिक सुधार का अवसर देने के लिए शुरू हुआ था।

रामायण की कथा में रावण केवल एक पात्र नहीं था, बल्कि वह उन बुराइयों का प्रतीक था जो इंसान को पतन की ओर ले जाती हैं-अहंकार, वासना, छल, क्रोध और अधर्म। रावण जैसा महाज्ञानी, शिवभक्त और शूरवीर भी अपनी एक गलती-वासना और अहंकार-के कारण विनाश को प्राप्त हुआ। दशहरा हमें यही याद दिलाने आता है कि यदि बुराई चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसका नाश निश्चित है।

लेकिन आज दशहरे का स्वरूप बदल चुका है। अब रावण दहन व्यावसायिक और दिखावटी उत्सव में बदल गया है। हर साल पुतले और बड़े बनाए जाते हैं, पटाखों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। रिपोर्टें बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में रावण पुतलों की संख्या कई गुना बढ़ी है, पर समाज में अपराध और बुराइयों का ग्राफ घटने की बजाय बढ़ा ही है।

आज के दौर में रावण केवल पुतलों तक सीमित नहीं है। वह हमारे बीच, हमारे आस-पास, हमारे भीतर मौजूद है। समाज में अपराध, बलात्कार, हत्या, दहेज हिंसा, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और नशे की लत जैसी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। रिश्तों का पतन भी चिंता का विषय है- मां-बाप, भाई-बहन, यहाँ तक कि बच्चों तक की हत्या की खबरें आए दिन सामने आती हैं। आज का इंसान ज्यादा पढ़ा-लिखा और आधुनिक है, लेकिन बुराइयाँ भी उतनी ही तेजी से पनप रही हैं।

विडंबना यह है कि जिस रावण को हम हर साल जलाते हैं, वह अकेला था। विद्वान था, नीतिज्ञ था, अपने परिवार और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ था। उसकी एक गलती उसे विनाश की ओर ले गई। लेकिन आज का रावण-यानी आज का अपराधी और बुराई का प्रतीक-उससे कहीं अधिक क्रूर, धूर्त और निर्लज्ज है। दशहरे का पर्व हमें यह याद दिलाने के लिए है कि बुराइयाँ कितनी भी ताकतवर क्यों न हों, उन्हें मिटाना ही होगा। लेकिन केवल पुतले जलाने से बुराइयाँ खत्म नहीं होंगी। हमें यह समझना होगा कि आज का रावण बाहर ही नहीं, भीतर भी है। हर इंसान के भीतर अहंकार, क्रोध, वासना, ईर्ष्या और लालच जैसे रावण मौजूद हैं। जब तक इनका दहन नहीं होगा, तब तक समाज में शांति और न्याय संभव नहीं।

पुतला जलाने के साथ हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन से कम-से-कम एक बुराई को अवश्य दूर करेंगे। दशहरे का संदेश तभी सार्थक होगा जब समाज सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार, हिंसा, नशाखोरी, दहेज और महिला शोषण जैसी बुराइयों के खिलाफ खड़ा होगा।

आज के दौर का सबसे बड़ा संकट यह है कि समाज बुराइयों के प्रति संवेदनहीन होता जा रहा है। हर दिन अख़बारों में दुष्कर्म, हत्या और भ्रष्टाचार की खबरें छपती हैं, लेकिन हम उन्हें सामान्य मानकर टाल देते हैं। पुतला जलाने के बाद हम चैन से घर लौट आते हैं, मानो बुराई का अंत हो चुका हो। हकीकत यह है कि आज के रावण सर्वव्यापी हैं। वे महलों में भी रहते हैं और झोंपड़ियों में भी। वे पढ़े-लिखे भी हैं और अशिक्षित भी। वे राजनीति, व्यापार, शिक्षा और समाज के हर क्षेत्र में फैले हुए हैं। राम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक पात्र नहीं, बल्कि आदर्शों और मूल्यों का प्रतीक हैं। राम का अर्थ है धर्म का पालन। राम का अर्थ है सत्य और न्याय के लिए संघर्ष। राम का अर्थ है मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा। लेकिन आज का समाज राम के गुणों को अपनाने के बजाय केवल राम के नाम का राजनीतिक और धार्मिक उपयोग कर रहा है। परिणाम यह है कि रावण जलते तो हैं, पर मन के रावण और समाज के रावण और अधिक शक्तिशाली होकर खड़े हो जाते हैं।

दशहरा हमें अवसर देता है कि हम रुककर सोचें-क्या हम अपने भीतर के रावण को पहचान पा रहे हैं? क्या हम अपने जीवन से एक भी बुराई कम कर पाए हैं? क्या हम समाज को बेहतर बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठा रहे हैं? यदि इन सवालों का जवाब 'नहीं' है, तो हमें स्वीकार करना होगा कि रावण दहन केवल एक परंपरा बनकर रह गया है।

सबसे बड़ी जरूरत यह है कि हम केवल पुतले जलाने की रस्म न निभाएँ, बल्कि अपने भीतर और समाज में मौजूद रावणों को पहचानें और उनका संहार करने का साहस दिखाएँ। तभी दशहरा एक सच्चे अर्थ में विजयादशमी बन पाएगा। जब-जब हम अपने भीतर के अहंकार, वासना और लोभ को पराश्त करेंगे, तब-तब हमारे भीतर का राम जीवित होगा। और तभी हम कह सकेंगे कि रावण सचमुच मरा है।

आत्मनिर्भर संकल्प अभियान: समृद्धि और स्वाभिमान की राह

पवन शुक्ला

संकल्प अभियान केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ने और योजनाओं को धरातल तक पहुँचाने का सशक्त प्रयास है। संकल्प का अर्थ है दृढ़ निश्चय और जब यह राष्ट्र-आंदोलन का रूप लेता है तो इसका उद्देश्य केवल आँकड़ों या घोषणाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन में ठोस बदलाव लाना होता है।

इस बार का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती 25 सितंबर से शुरू होकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा। पहले चरण में अक्टूबर माह में प्रत्येक जिले में जागरूकता कार्यक्रम और संवाद आयोजित होंगे, जबकि दूसरे चरण में नवंबर-दिसंबर में मंडल शतर तक गतिविधियाँ विशतारित की जाएँगी।

इन गतिविधियों में किसान-वैज्ञानिक गोष्ठियाँ, महिला उद्यमी सम्मेलन, युवाओं के लिए रोजगार मेले और प्रशिक्षण कार्यशालाएँ शामिल होंगी। भविष्य में इसे हर वर्ष ग्राम से महानगर तक सतत कार्यक्रमों के रूप में चलाने का लक्ष्य है, ताकि यह एक स्थायी राष्ट्रीय परंपरा बने और देश की विकास-यात्रा को नया आयाम दे।

उत्तर प्रदेश इस अभियान का प्रमुख केंद्र है, जहाँ हाल ही में विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से किसानों तक सीधी पहुँच बनाई गई। आँकड़े बताते हैं कि प्रदेश के 15 लाख से अधिक किसानों को लाभ पहुँचाया गया। इनमें से 5 लाख किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड दिए गए, 3 लाख से अधिक को नए बीज और जैविक खाद के प्रशिक्षण से जोड़ा गया और लगभग 4 लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किश्त अभियान के दौरान वितरित की गई।

किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत भी 1 लाख से अधिक नए कार्ड बनाए गए। इसी दौरान एक ज़िले एक उत्पाद (ODOP) योजना से जुड़े 3 हजार से अधिक उद्यमियों को बाजार से जोड़ा गया। यह पहल केवल कृषि तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्थानीय स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्वावलंबन की राह पर अग्रसर करने का प्रयास भी बनी।

महिलाओं के लिए संकल्प अभियानों की अपनी अलग पहचान रही है। उत्तर प्रदेश में ही इस वर्ष 27 लाख महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं। इनमें से 10 लाख महिलाएँ खाद्य प्रसंस्करण और डेयरी उत्पादन में सक्रिय हैं, जबकि 5 लाख से अधिक महिलाएँ वस्त्र और हश्तशिल्प क्षेत्र में काम कर रही हैं। केवल 6 महीनों में महिला समूहों के उत्पादों की बिक्री 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। यह आँकड़े बताते हैं कि स्वदेशी उत्पादों और महिला श्रमशक्ति का संगम आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को गहराई और ताक़त प्रदान कर रहा है।

युवाओं के लिए यह अभियान विशेष महत्व रखता है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और कौशल विकास जैसे कार्यक्रम संकल्प अभियान की व्यापक सोच का ही हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने कौशल विकास मिशन के तहत 2025 की पहली छमाही में 70 हजार युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया।

इसी दौरान राज्य में 5 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए, जिनमें से 2 हजार को प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग मिला। रोजगार मेलों के माध्यम से 45 हजार युवाओं को नौकरी का अवसर मिला। यह प्रयास युवाओं को केवल रोजगार दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें स्वावलंबन और उद्यमिता की राह पर अग्रसर करने का माध्यम भी है।

अभियान में कार्यशालाओं की अहम भूमिका है। देशभर में आयोजित होने वाली ये कार्यशालाएँ तीन शतरों पर होंगी-ग्राम, ज़िला और मंडल। इनके उद्देश्यों में किसानों को नई तकनीक और योजनाओं से जोड़ना, युवाओं को उद्यमिता और डिजिटल कौशल में प्रशिक्षित करना तथा महिलाओं को समूह-आधारित व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। विशेषज्ञ, उद्योगपति, सरकारी अधिकारी और स्थानीय नेतृत्व इन कार्यशालाओं में संवाद करेंगे, ताकि योजना और ज़मीनी हकीकत के बीच की दूरी घटाई जा सके।

इसी सिलसिले में अभियान के तहत 'वोकल फॉर लोकल' पहल को भी राष्ट्रीय स्वर दिया जा रहा है। नागरिकों को स्थानीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार के लिए प्रेरित किया जा रहा है, चाहे वह हश्तशिल्प हो, परिधान हो या खाद्य सामग्री।

साथ ही, लोगों को विदेशी पर्यटन स्थलों के बजाय भारत के ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे घरेलू पर्यटन को बल मिलेगा, स्थानीय समुदायों को रोज़गार मिलेगा और स्वदेशी उत्पादों की खपत बढ़ेगी। यह प्रयास स्वदेशी भावना को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहने देता, बल्कि उपभोग और जीवनशैली तक विशतारित करता है।

कानपुर का उदाहरण इस प्रयास का प्रमाण है। एक इंजीनियरिंग स्नातक ने संकल्प अभियान की कार्यशालाओं से प्रेरणा लेकर स्टार्टअप शुरू किया। बैंक से 25 लाख रुपये का ऋण मिला और उसने एक कृषि-तकनीक उपकरण विकसित किया। यह उपकरण सिंचाई में 30% तक पानी बचाता है और आज 6 जिलों में उपयोग हो रहा है। इस नवाचार से 50 से अधिक युवाओं को रोजगार भी मिला।

अभियान की विशेषता यह है कि इसमें सभी हितधारकों को जोड़ा गया है। किसान खेत में वैज्ञानिक से संवाद करता है, युवा उद्योग जगत से प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बाज़ार से जुड़ती हैं। केंद्र और राज्य सरकारें, कृषि वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति, शैक्षणिक संस्थान, पंचायतें और आम नागरिक-सभी इस साझा प्रयास के शतंभ हैं। यही सामूहिकता इसे केवल सरकारी योजना न बनाकर एक साझा राष्ट्रीय यात्रा का रूप देती है।

लखनऊ की एक महिला उद्यमी ने कहा कि पहले उनके उत्पाद गाँव से बाहर नहीं जाते थे, लेकिन अब प्रशिक्षण और विपणन सहयोग मिलने से दिल्ली और मुंबई तक पहुँच रहे हैं। वाराणसी के एक युवा ने साझा किया कि स्टार्टअप योजना से जुड़कर उसने अपने छोटे से मोबाइल एप को व्यवसाय में बदल दिया है। यह आवाज़ें बताती हैं कि संकल्प अभियान केवल कागज़ी घोषणाओं का नाम नहीं, बल्कि धरातल पर बदलाव की कहानी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि "संकल्प अभियान किसानों और युवाओं के लिए नयी राहें खोलेगा और उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर देगा। " मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि "संकल्प अभियान आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशशत करेगा।

संकल्प अभियान केवल योजनाओं का प्रचार नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ने वाला आंदोलन है जो स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को जीवन का हिस्सा बनाता है। " इस अभियान का आत्मिक आधार प्राचीन भारतीय विचारधारा से भी मिलता है। ऋग्वेद का मंत्र कहता है-"संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्"-अर्थात हम सब साथ चलें, साथ बोलें और अपने मन को एक करें। यही मंत्र आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की आत्मा है, जहाँ एकजुट होकर स्वदेशी और स्वावलंबन के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है।

और यहीं से भविष्य की राह खुलती है। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि स्वदेशी और स्वावलंबन की चेतना को हर क्षेत्र में प्रवाहित करने का आंदोलन है।

जब गाँवों के कुटीर उद्योग स्थानीय से वैश्विक बाज़ार तक पहुँचेंगे, जब किसान तकनीक और परंपरा का संगम कर पाएगा, जब महिला अपने श्रम से घर-परिवार ही नहीं, समाज की रीढ़ बनेगी, जब युवा अपने नवाचार से नए अवसर गढ़ेगा, और जब नागरिक भारतीय पर्यटन स्थलों की यात्रा कर स्वदेशी उत्पादों को अपनाएगा-तभी यह अभियान भारत को वाशतविक समृद्धि और स्वाभिमान की ओर ले जाएगा।

यह अभियान केवल आँकड़ों का हिसाब नहीं, बल्कि श्रम और स्वदेशी चेतना से गढ़ा वह उज्ज्वल संकल्प है, जो हर घर में आत्मविश्वास, हर गली में अवसर और हर हृदय में स्वाभिमान की धड़कन जगाता है। यही है नवभारत की ओर बढ़ता आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान।

जीएसटी में अभूतपूर्व सुधार

डा. अश्विनी महाजन

2017 में प्रारंभ जीएसटी प्रणाली ने पिछले 8 वर्षों में बड़े उतार-चढ़ाव देखे हैं। लगभग एक दशक की चर्चा और डिबेट के बाद जीएसटी प्रणाली देश में लागू हुई थी। प्रारंभ से ही जीएसटी के बारे में चिंताएं, शंकाएं और अपेक्षाएं व्यक्त की जाती रही हैं।

जहां प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इसकी आलोचना करती दिखाई देती रही और उनके प्रमुख नेता इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' कहते रहे, और प्रारंभ में व्यापारी संगठन इससे जुड़ी कार्यान्वयन की समस्याओं को लेकर इसका विरोध करते दिखाई देते थे, बड़ी संख्या में अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ इसे एक बड़ा सुधार मान रहे थे। राज्य सरकारें और केंद्र सरकार भी इस नई कर प्रणाली को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थी। सरकार ने हालांकि जुलाई 2017 में इस प्रणाली को लागू तो कर दिया था, लेकिन प्रारंभ में इससे पर्याप्त राजस्व प्राप्त करने की प्रमुख चुनौती थी।

क्या है जीएसटी : जीएसटी यानी 'गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स' एक एकीकृत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है। जीएसटी से पूर्व देश में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के अप्रत्यक्ष कर लगाए जाते थे, जिसमें बिक्री कर, राज्य उत्पाद शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवाकर, सीमा शुल्क और कई अन्य कर शामिल थे। इन सभी करों को एकीकृत कर एक ही टैक्स जीएसटी के रूप में लगाया गया।

सभी करों को एकीकृत कर एक ही कर लगाने के प्रयास का हेतु यह था कि विभिन्न प्रकार के कर लगाने से करदाताओं और कर एकत्र करते हुए उसे सरकारी राजस्व में जमा करना कठिन होता था और उसको एकत्र करने की लागत भी अधिक आती थी। इसके अलावा विभिन्न करों को लगाने से अनपेक्षित प्रभाव होता था। उदाहरण के लिए अलग-अलग शतर पर कर लगाने के कारण एक ही वशतु पर दो और कई बार दो से ज्यादा बार टैक्स देना पड़ता था। इसके कारण सरकार को राजस्व कम प्राप्त होता है, लेकिन वशतु की कीमत टैक्स प्राप्ति से कहीं ज्यादा बढ़ जाती थी। इस अनपेक्षित प्रभाव को कैसकेंडिंग प्रभाव भी कहते हैं।

राजस्व प्राप्ति के स्रोत के रूप में सामान्य तौर पर अप्रत्यक्ष करों को इसलिए सही नहीं माना जाता, क्योंकि इसे अमीर और गरीब सभी के द्वारा इश्तेमाल की जाने वाली वशतुओं और सेवाओं पर लगाया जाता है। इसलिए अप्रत्यक्ष करों को प्रगतिशील बनाने के लिए इसे लागू करते हुए विभिन्न वशतुओं पर अलग-अलग कर लगाना जरूरी माना जाता है।

उदाहरण के लिए जीएसटी की 0, 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की पांच दरें लागू की गई। कृषि उत्पादों समेत कुछ आवश्यक वशतुओं पर शून्य और अलग-अलग वशतुओं पर अलग-अलग कर लगाए गए, जिसमें आवश्यक वशतुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया। इसके बाद इसी तर्ज पर 12, 18 और 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया, जिसमें विलासिता की और हानिकारक वशतुओं पर 28 प्रतिशत कर लगाया जाता रहा।

कर दरें ज्यादा हों या कम : सामान्य तौर पर चाहे किसी भी प्रकार का कर हो, अप्रत्यक्ष कर अथवा प्रत्यक्ष कर, सभी में प्रगतिशीलता लाने हेतु अलग-अलग दर पर कर लगाया जाता है। उदाहरण के लिए एक शतर की आय तक शून्य और उसके बाद आय के परिमाण के आधार पर स्लैब बनाकर उन पर बढ़ती दरों पर आयकर लगाया जाता है।

इसी प्रकार अप्रत्यक्ष करों में सामान्य जन अधिकांशतः निम्न आय वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वशतुओं और सेवाओं पर शून्य अथवा बहुत कम कर लगाया जाता है। इसी प्रकार जीएसटी लागू करते समय उसे अधिक प्रगतिशील बनाते हुए उसमें पांच दरें रखी गई थीं। इस समय से इस विषय में अर्थशास्त्रियों के मतभिन्नता देखने को मिलती रही। अर्थशास्त्रियों के एक वर्ग का कहना है कि इसे अधिक कुशल बनाने हेतु एक ही जीएसटी की दर होनी चाहिए। इस प्रकार की व्यवस्था सिंगापुर समेत कई देशों में है। लेकिन वे सभी विकसित देश हैं। लेकिन भारत जैसे देश में जहां असमानताएं अधिक विषम हैं, एक ही जीएसटी की दर अपनाना सही नहीं माना जा सकता, क्योंकि एक ओर रोजमर्रा की जरूरत की वशतुओं जैसे दूध, दही, पनीर, पैकेज खाद्य पदार्थ, साइकिल और दूसरी तरफ महंगी कारों पर एक ही जीएसटी की दर को सही नहीं माना जा सकता।

इसी कारण जीएसटी को प्रगतिशील बनाने हेतु शून्य सहित पांच दरें रखी गई थी। लेकिन एक विचार जो बार-बार व्यक्त किया जाता रहा कि अधिक दरें होने के कारण असमंजस अधिक होता है, विशेष तौर पर अंतिम वशतु और अंतिम वशतुओं की दरें भिन्न होने पर यह असमंजस और भी अधिक बढ़ जाता है।

इसीलिए यह माना गया कि अधिक दरें जीएसटी प्रशासन में एक कुशलता का कारण बनती हैं। लेकिन जीएसटी में प्रगतिशीलता बनी रहे, इसके लिए उसमें शून्य के अतिरिक्त न्यूनतम दो तरह दरें सही हैं। ऐसा लगता है कि इसी सिद्धांत पर आधारित 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो दरें रखने का निर्णय हुआ है।

इसके साथ ही साथ यदि सामान्य रूप से विलासिता की वशतुएं जैसे अत्यधिक महंगी कारें, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वशतुएं जैसे कार्बोरेटेड पेय पदार्थ, सिगरेट, गुटका आदि उत्पादों पर विशेष दर पर जीएसटी लगाया गया है। अनेक उत्पाद जिन पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता था, उन्हें अब शून्य की श्रेणी में लाया गया है। इनमें अधिकांश दुग्ध उत्पादों सहित खाद्य पदार्थ हैं। इसके अतिरिक्त कई उत्पाद जिन पर पूर्व में 12 और 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता था, अब 5 प्रतिशत की श्रेणी में आ गए हैं। ऐसे उत्पाद जिन पर पूर्व में 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता था, अब 18 प्रतिशत की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। कहा जा सकता है कि जीएसटी की दरों में भारी कमी हुई है। इसी प्रकार जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने का भरपूर प्रयास हुआ है।

जीएसटी सुधारों में गिरावट के पीछे की दृष्टि : हालांकि जीएसटी सुधारों से महंगाई में कमी आएगी और इसलिए यह एक लोकप्रिय कदम तो है ही, जीएसटी की दरों में कमी और उन्हें युक्तिसंगत बनाने के पीछे के उद्देश्यों को समझने की आवश्यकता है। सर्वप्रथम जीएसटी की दरों में गिरावट ऐसे समय पर आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अधिकांश उत्पादों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लागू कर दिया है।

प्रधानमंत्री के 15 अगश्त के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से दिया गया भाषण और उसमें स्वदेशी के आग्रह को भी उसके साथ जोडक़र देखा जा सकता है। जीएसटी दरों में कमी से देश में बने उत्पाद अब पहले से सश्ते हो जाएंगे, जिससे स्वदेशी उत्पादों का उपभोग तो बढ़ेगा ही, साथ ही साथ हमारे उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। दूसरे जीएसटी दरों में कमी से सामान्य उपभोग की वशतुएं पहले से सश्ती होंगी, इससे मुद्रास्फीति में कमी होगी। मुद्रास्फीति में कमी का सकारात्मक प्रभाव आर्थिक ग्रोथ पर पड़ता है।

मुद्रास्फीति में कमी से ब्याज दरों में कमी आती है जिससे निवेश बढ़ता है। इससे हाउसिंग क्षेत्र और स्थायी वशतुओं का उपभोग बढ़ाने में मदद मिलती है। तीसरी, जीएसटी दरों में कमी से नवीनीकरण ऊर्जा क्षेत्र को राहत और प्रोत्साहन देने का प्रयास हुआ है।

सोलर और पवन ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। अपेक्षा की जा सकती है कि अब नवीनीकरण ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहन तो मिलेगा ही, नवीनीकरण ऊर्जा की लागत भी घटेगी, जिससे अब भारत इस क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। चौथे, कृषि उपकरणों और इनपुट पर जीएसटी में कमी से कृषि की लागत कम होगी। लागत घटने से किसानों की हालत में सुधार तो होगा ही, हमारे कृषि उत्पादन वैश्विक शतर दृष्टि से अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। पांचवें, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि जीएसटी की दरों में कमी से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति में भी वृद्धि होगी, जिससे देश में उपभोक्ता मांग ही नहीं, बल्कि निवेश मांग भी बढ़ेगी।

(लेखक पूर्व कालेज प्रोफेसर है)

दुर्गा द्वारा असुर विनाश-आत्मा के दिव्य गुणों की विजय

कांतिलाल मांडोत

हिन्दू पुराणों में एक कथा आती है कि प्राचीनकाल में देवों व दानवों, सुर व असुरों में परस्पर बार-बार युद्ध होता रहता था। देवासुर-संग्राम की कुछ चर्चा भगवतीसूत्र में भी आती है। किन्तु वहीं पर इन्द्रदेव मध्यस्थता करता है। हिन्दू पुराणों में इन्द्र देवताओं का पक्ष लेता है।

अश्तु, पुराणों में बताया है असुरी के साथ जब भी देवताओं का युद्ध होता ती देवता हार जाते, असुर जीत जाते। इसका एक कारण था सभी देवगण एकजुट नहीं हो पाते थे, जबकि असुर एक साथ मिल जाते थे। दूसरी बात देवगण सुखप्रिय ज्यादा थे जबकि असुररगण कष्ट-सहिष्णु। इस कारण बार-बार असुरी से मात खा जाते थे।

देवगण अपनी पराजय से खिन्न होकर प्रजापति ब्रह्मा के पास गये। अपनी हार का कारण पूछने पर प्रजापति ने कहा- देवत्व कभी नहीं हारता, किन्तु हारती है विश्रृंखलता। तुम सब देवगण शक्ति-सम्पन्न तो हो, परन्तु परस्पर संगठित नहीं हो। फूट या विश्रृंखलता ही तुम्हारी हार का कारण है। अगर असुरों को जीतना है तो संगठित बनो। एक संघीय घनीभूत शक्ति बनो, तभी तुम शक्ति-सम्पन्न राक्षसों पर विजय प्राप्त कर सकते हो। देवताओं ने प्रजापति से प्रार्थना की, आप हमारी शक्ति को संगठित कीजिये। प्रजापति ने सभी देवताओं की थोड़ी-थोड़ी शक्ति ली। सब दिव्य शक्तियों को केन्द्रित करके फिर उसे अभिमंत्रित किया तो वह दुर्गा के रूप में प्रकट हुई। हिन्दू पुराणों में दुर्गा के अवतरण की यह कहानी मिलती है। दुर्ग का अर्थ है किला। एक संगठित और केन्द्रित शक्ति। उस केन्द्रित शक्ति का रूप है दुर्गा।

फिर दुर्गा पराक्रम एवं साहस के प्रतीक सिंह पर आरूढ़ होती है। अर्थात दिव्य शक्तियाँ संगठित होकर साहस और पुरुषार्थ पराक्रम के बल पर असुरों (बुराइयों) पर विजय प्राप्त कर लेती हैं। दुर्गा की अष्ट भुजाएँ आत्मा के आठ दिव्य गुणों की प्रतीक हैं। प्रत्येक आत्मा के भीतर आठ स्वाभाविक गुण विद्यमान होते हैं। ज्ञान, दर्शन, आनन्द, अनन्त शक्ति, अनन्त सुख आदि।

ये आठ गुण जब आत्मारूप दुर्गा में भुजा के रूप में प्रकट होकर शक्ति का स्फोट करते हैं तो उसकी शक्ति संसार में अजेय हो जाती है। स्मृति एवं पुराणकारों ने दुर्गा की आठ भुजाओं को आठ बलों के रूप में भी गिना है। जैसे-विद्या बल, शरीर बल, बुद्धि बल, धन बल, मित्र बल, मनोबल, शस्त्र बल और धर्म बल। ये आठ बल संगठित होकर किसी भी दुर्जेय शत्रु को जीतने में समर्थ हो जाते हैं। दुर्गा अवतरण संगठन एवं पराक्रम का प्रतीक है। दुर्गा ने सिंह पर बैठकर अपने त्रिशूल से सबसे बड़े तीन दैत्यों का संहार किया। उनके नाम थे-महिषासुर, मधुकैटम और शुभ-निशुंभ। इन तीनों का संहार करते ही असुरों का विनाश हो गया। असुरों की सेना हार गई। तो यह दैत्य विजय का दिन था। इसलिए यह विजय दशमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। अब इस पौराणिक कथा को आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में समझें तो

इसका स्पष्ट अर्थ है-देवता, आत्मा की दिव्य शक्ति का प्रतीक है। आत्मा की दिव्य शक्तियाँ अर्थात आत्मा के सत्य, शील आदि सद्गुण जब संगठित और एकीकृत हो जाते हैं तो वे दुर्गा के रूप में एक अजेय शक्ति बन जाते हैं। आत्मा जब तक प्रमाद व आलस्य से ग्रश्त रहता है, वह विकार रूप असुरों से हारता है। किंतु प्रमाद त्यागकर तप और साधना में लीन होता है तो उसकी शक्ति का स्कोर होता है। आत्मा की यह अजेय शक्ति सबसे पहले महिषासुर का विनाश करती है। महिष का अर्थ है पैसा। भैंसा आलस्य का प्रतीक है। आलस्य अर्थात प्रमाद। प्रमाद या आलस्य आत्मा का सबसे बड़ा शत्रु है- आलस्यो हि मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपुः।-आलस्य शरीर के भीतर छुपा हुआ सबसे बड़ा शत्रु है। बुद्ध ने कहा है-पमादो मच्चुनो पदं।-प्रमादमृत्यु का स्थान है। भगवान महावीर कहते हैं दुक्खं केण कड़े? जीवेण कड़े पमादेण। संसार में जितने भी दुःख हैं वे सब जीव-आत्मा प्रमाद के वश होकर करता है। जिस प्रकार राक्षस शुभ गुणरूप देवताओं का नाश करता है उसी प्रकार प्रमाद, शील, सन्तोष, संयम और साधना का नाश करने वाला दुष्ट राक्षस है। इस प्रमाद रूप महिषासुर का नाश करने वाली दिव्य आत्मा है दुर्गा।

दुर्गा ने जिस दूसरे असुर का नाश किया उसका नाम है मधुकैटम। मधु नाम है-मद का और कैटभ का अर्थ है-कैतव-कपट। माया-दंभ! मधुकैटभ असुर मद और कपट, अहंकार और दंभ का प्रतीक है। आत्मारूप दुर्गा दर्ष और दंभ नामक असुरों का नाश करके विजयी बनता है। मधुकैटभ का एक पुराणकार ने अर्थ किया है-असंयम। असंयम वह राक्षस है, जो आत्मा को पतित कर आत्म-गुणों का नाश करता है।

अष्टभुजा दुर्गा ने जिस तीसरे राक्षस का संहार किया उसका नाम है शुभ-निशुंभ। यह मोह का प्रतीक है। मोह आत्मा का सबसे प्रबल शत्रु है। भगवान महावीर कहते हैं- मोहो हओ जस्स न किंचणाइ। जिसने मोहरूपी शत्रु का नाश कर दिया उसका संसार में दूसरा कोई शत्रु नहीं है।

मौह को जीतने वाला अजातशत्रु संसार का पिता तुल्य परम वत्सल पुरुष होता है। उसे वीतराग कहते हैं।

हिन्दू पुराणों में दुर्गा को माता माना है। माता परम वत्सला होती है। वह जीव मात्र का कल्याण करने वाली है। तो इस रूप में दुर्गा द्वारा शुंभ-निशुंभ का संहार करने का प्रतीक अर्थ है-आत्मा के केन्द्रीकृत दिव्य गुणों की शक्ति द्वारा मोहरूपी राक्षस पर विजय प्राप्त करना। इस प्रकार अष्टभुजा दुर्गा आत्मा के आठ गुणों को प्रतीक मानकर तीन दुष्ट राक्षसों को-आलस्य, मद और मोह का प्रतीक मानने से विजय पर्व का अर्थ होता है-आत्मा द्वारा अशुभ शक्तियों पर विजय प्राप्त करना।

अर्जुन ने की मां दुर्गा की स्तुति

महाभारत युद्ध पारंभ होने से पूर्व जब कौरव और पांडवों की सेनाए कुरुक्षेत्र में पहुंच चुकी थी और दोनों सेनाओं के योद्धा एक दूसरे को आमने सामने देखकर युद्ध के लिए लालायित हो रहे थे उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपने प्रिय सखा अर्जुन को युद्ध में विजय प्राप्ति हेतु मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने को सलाह दी।

भगवान श्रीकृष्ण की सलाह पर अर्जुन ने अपने रथ से नीचे उतरकर मां दुर्गा की श्तुति की, उस समय अर्जुन ने अपने मुख से मां भगवती के प्रसनार्थ इस प्रकार प्रार्थना की मंदराचल पर निवास करने वाले सिद्धों को सेनानेत्री तुम्हें बारम्बार नमस्कार है तुम ही कुमारी काली, कापाली कपिला, कृष्णपिगला, भद्रकाली और महाकाली आदि नामों प्रचण्ड कोप करने के कारण तुम चंडी कहलाती हो। भक्तों को संकट से तारने के कारण तारिणी हो। तुमः ही पूजनीया कात्यायनी हो। तुम ही विजया और जया के नाम से विख्यात हो। मोरपंख की तुम्हारी ध्वजा है। तुम भंयकर त्रिशूल, खंड और खेटक आदि आयुधों को धारण करती हो। महिषासुर का रक्त बहाकर तुम्हें बड़ी प्रसत्रता हुई थी।

तुम कोशिक गोत्र में अवतार लेने के कारण कौशिकी नाम से भी प्रसिद्ध हो। तुम पीताम्बर धारण करती हो। उमा शाकम्भरी, श्वेता कृष्णा, कैटभनाशिनी, हिरण्याक्षी, विरूपाक्षी और सुधुम्राक्षी आदि नाम धारण करने वाली हो। तुम ही वेदों को श्रुति हो। तुम ही जातवेदा अधि की शक्ति हो जम्बू, कटक और चैत्य वृक्षों में तुम्हारा नित्य निवास है। सावित्री वेदमाता स्वधा कला काष्ठा, सरस्वती वेदमाता वेदांत, ये सब तुम्हारे ही नाम है। मैने विशुद्ध हृदय से तुम्हारा शतवन किया है। इस रणांगण में मेरी सदा ही जय हो।

अर्जुन के इस भक्तिभाव का अनुभव करके सभी जीवों पर वात्सल्य भाव रखने वाली माता दुर्गा अंतरिक्ष में उसके सामने आकर खड़ी हो गई और बोली, हे पार्थ। दुर्धष वीर। तुम तो साक्षात नर हो, साक्षात नारायण हो। तुम्हारे सहायक हैं। तुम रणक्षेत्र में शत्रुओं के लिए अजेय हो ऐसा वरदान देकर देवी दुर्गा वहां से अंतर्ध्यान हो गई। यह वर पाकर पांडु पुत्र अर्जुन को अपनी विजय का विश्वास हो गया। फिर वे अपने परम सुंदर रथ पर आरूढ़ होकर युद्ध के लिए उद्यत हुए।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

बलात्कार के बाद युवती पर बना रहा धर्म परिवर्तन का दबाव

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बन्नादेवी पुलिस ने अपना नाम बदलकर दूसरे समुदाय की युवती से दोश्ती कर उसके साथ कई बार होटल में ले जाकर बलात्कार करने और उसका धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में दबोच लिया है।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में पुलिस की गोली लगी है जिसे घायलावस्था में उपचार हेतु जिला मलखान सिंह अस्पताल भेजा है।

सीओ बन्नादेवी कमलेश कुमार ने बताया कि थाना बन्नादेवी पुलिस व मिशन शक्ति की महिला पुलिस टीम ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान गलत काम व धर्मपरिवर्तन करने के दर्ज मुकदमे में फरार चल रहे जुबैर उर्फ खन्ना निवासी फफाला मार्केट थाना देहलीगेट को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ एक युवती ने पिछले दिनों मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि युवक ने अपना नाम छिपाते हुए पहले उससे दोश्ती की, फिर होटल में ले जाकर कई बार उसके साथ गलत काम किया। इतना ही नहीं उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव भी बनाया।

थाना बन्नादेवी पुलिस व मिशन शक्ति महिला टीम ने बरौला बाईपास पर पीएम आवास योजना के खाली खंडहर की ओर जाने वाली सड़क पर मुखबिर की सूचना पर बाइक सवार आरोपी जुबैर उर्फ खन्ना की घेराबंदी की। इस बीच आरोपी ने खुद को गिरा देखकर पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस ने भी बचाव में गोली चलाई, जो जुबैर के बाएं पैर में लगी आरोपी के पास से एक तमंचा दो कारतूस व एक बाइक बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ पहले से ही पांच मुकदमे दर्ज हैं। अन्य अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

विकसित भारत 2047 : आत्मनिर्भर बनाने में साझा करें विचार : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाअभियान के अन्तर्गत शासन की आकांक्षाओं के अनुरूप एक समग्र रणनीति तैयार करते हुए।

तीन प्रमुख थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति व जीवन शक्ति के परिपेक्ष्य में कुल 12 सेक्टरों जैसे-कृषि एवं संबद्ध सेक्टर, पशुधन संरक्षण सेक्टर, औद्योगिक विकास सेक्टर, आईटी एवं इमर्जिंग टेक्नालाजी सेक्टर, पर्यटन सेक्टर, नगर एवं ग्राम्य विकास सेक्टर, अवस्थापना सेक्टर, संतुलित विकास सेक्टर, समाज कल्याण सेक्टर, स्वास्थ्य सेक्टर, शिक्षा सेक्टर एवं सुरक्षा एवं सुशासन सेक्टर के अन्तर्गत विभिन्न हितधारकों जैसे-कृषक, युवा, महिलाओं, श्रमिक, शिक्षाविद, उद्यमी, व्यापारी, प्रबुद्धवर्ग, मीडिया की आकांक्षाओं को सम्मिलित किये जाने के सबद्ध में प्रदेश के समश्त नगर निकायों के निर्वाचित अध्यक्ष, सदस्यों के साथ सोमवार को मुख्यमंत्री द्वारा संवाद किया गया।

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा समश्त नगरीय निकायों को आय बढाये जाने के लिए सार्थक प्रयास किये जाने की अपेक्षा की गयी, जिससे सभी नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकें। डीएम ने आमजन एवं प्रबुद्धजनों से आव्हान किया कि विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपने अमूल्य सुझाव अवश्य साझा करें।

मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि इस महाअभियान की सफलता में जनप्रतिनिधियों की भूमिका सर्वोपरि है। लोकतंत्र की प्रथम पंक्ति के प्रतिनिधि होने के नाते समश्त अध्यक्षों द्वारा निकाय श्तर पर, सभासद गणों द्वारा वार्ड श्तर पर एवं ब्लॉक प्रमुखों द्वारा ग्राम श्तर पर सम्मेलन का आयोजन करते हुए इस के लिए विशेषज्ञों के परामर्श एवं व्यापक जनसहभागिता के साथ विकसित उत्तर प्रदेश 2047 की कार्ययोजना तैयार करायी जाये।

मुख्यमंत्री द्वारा सुझाव आमंत्रण अभियान के सम्बन्ध में उन्होंने जिले के सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों से अपील करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे अग्रणी और विकसित प्रदेश बनाये जाने के लिए आम जनमानस से समर्थ पोर्टल पर अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से अधिक से अधिक विचार और संकल्प साझा करते हुए अपना योगदान उपलब्ध कराएं। सीडीओ ने बताया कि कुछ जिलों में 50 से 90 हजार सुझाव प्राप्त हो गए हैं, वहीं जिले में यह सख्या 21 हजार का ही आंकड़ा छू सकी है।

सभी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास विकसित हों, छात्र :डीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित विभागीय योजनाओं की समीक्षा और जनपदीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विद्यालयों में चल रही कायाकल्प योजना, निर्माण कार्यों, विद्यार्थियों की उपस्थिति और शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर विश्तृत चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि अब विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर हो चुकी हैं, इसलिए शैक्षणिक कार्य अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों एवं विकास खंड अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जो कार्य अपूर्ण हैं, उन्हें शीघ्र पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां धन की कमी है, वहां क्षेत्र पंचायत, वित्त आयोग अन्य निधियों का उपयोग कर विकास कार्य कराए जाएं।

धर्म परिवर्तन गैंग का भंडाफोड़

कैश में होता था सारा लेनदेन, बच्चों का भी कराया गया धर्मांतरण

लखनऊ , एजेंसी। निगोहां के बख्तौरीखेड़ा गांव चल रहे धर्म परिवर्तन के मुख्य आरोपी मलखान ने पत्नी व दो बेटों का भी धर्म परिवर्तन कराया था। पत्नी का नाम तो नहीं बदला, पर दोनों बेटों का नाम भी उसने बदल दिया था। जांच में इस बात का पता चला है कि धर्म परिवर्तन गैंग से जुड़े लोग नकद में लेनदेन करते थे। गैंग से जुड़े कुछ संदिग्धों की तलाश में पुलिस लगी है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि आरोपी के दो बैंक खातों की पूरी डिटेल बैंक से मांगी गई है। सूत्र बताते हैं कि खातों में लेनदेन का रिकॉर्ड चेक किया तो कुछ खास जानकारी हाथ नहीं लगी। जांच में पुलिस को इस बात का पता चला है कि धर्म परिवर्तन गैंग से जुड़े लोग सारा लेनदेन कैश में करते थे, ताकि कोई सबूत न रह जाए। पुलिस को गिरफ्तार किए गए मलखान के मोबाइल फोन से काफी मोबाइल नंबर मिले हैं। पुलिस एक-एक करके उक्त नंबरों के बारे में पता लगा रही है।

धर्मांतरण का शिकार लोगों से पुलिस किया संपर्क

डीसीपी ने बताया कि निगोहां पुलिस को उन 12 लोगों के नाम व पता मिला है, जिनको मलखान ने धर्म परिवर्तन कराया था। पुलिस ने कुछ लोगों से बातचीत भी की है। इस बातचीत के दौरान कुछ अहम जानकारियां हाथ लगी है। चंगाई सभा में मलखान हर बृहस्पतिवार और रविवार को ईसाई संस्था से जुड़े कुछ लोगों को अपने खेत में बने हॉल बुलवाता था। संस्था के लोग ग्रामीणों को बहकाते थे।

बख्तौरीखेड़ा गांव के अलावा तीन और गांव के लोग थे संपर्क में

निगोहां पुलिस के सूत्र बताते हैं कि धर्म परिवर्तन करने वाले गैंग के संपर्क में सिर्फ बख्तौरीखेड़ा गांव के ही नहीं बल्कि छोटीखेड़ा, बदनखेड़ा और समेसी गांव के कुछ लोग भी संपर्क में थे। डीसीपी ने बताया कि आरोपी ने धर्म परिवर्तन का पहला शिकार अपनी पत्नी व दोनों बेटों को बनाया। पत्नी का नाम तो नहीं बदला, पर बेटों का नाम भी बदल दिया था।

दोस्त को बचाने गए दो साथी, तीनों किशोरों को मनबढ़ों ने जमकर पीटा; 1 की मौत- 2 गंभीर

गोरखपुर , एजेंसी। कस्बे में सोमवार की देर रात सनसनी खेज मामला सामने आया है। मेला देखने आए किशोर की बाइक से एक व्यक्ति को चोट लग गई, जिसके कारण कुछ लोग किशोर को बुरी तरह से पीटने लगे। साथी को पीटता देखा दो किशोर बचाने आए तो उनको भी बुरी तरह पीटा गया।

मौके पर पहुंची पुलिस तीनों को बचा कर इलाज के लिए अस्पताल लेकर गई। मेडिकल कालेज में 14 वर्षीय आकाश निषाद पुत्र दिलीप निषाद निवासी बनकटिया की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल विशाल निषाद और नीतू निषाद का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। घटना के बाद गांव के लोगों में कस्बा के लोगों के प्रति काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

सहजनवा थाना क्षेत्र बनकटिया निवासी कुछ सोमवार की रात को बाइक से दुर्गा पूजा का मेला देखने निकले थे। बाइक से अभी कस्बा में पहुंचे थे कि बाइक से एक व्यक्ति को चोट लग गई, जिससे विवाद होने लगा। आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ लोग 14 वर्षीय आकाश निषाद पुत्र दिलीप निषाद को बुरी तरह से पीटने लगे।

साथी को पीटता देख अन्य किशोर भी बचाने आए तो उनको भी बुरी तरह से पीटने लगे। किसी ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस गंभीर रूप से घायल आकाश निषाद पुत्र दिलीप निषाद, 15 वर्षीय विशाल निषाद पुत्र विनोद निषाद तथा नीतू निषाद पुत्र कांत निषाद को इलाज के लिए सीएचसी लेकर आई।

हालत गंभीर होने पर तीनों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज पहुंचने पर चिकित्सक ने आकाश निषाद को मृत घोषित कर दिया, जबकि विशाल और नीतू का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना के बाद गांव के लोग आक्रोशित हो गए हैं।

ढाई साल में 11 हजार से अधिक बिजली दुर्घटनाएं, 3,600 लोगों की जान लील गया करंट; आंकड़े चौंकाने वाले

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में करीब ढाई साल में करंट लगने की 11 हजार से अधिक दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 3,606 लोगों की मौतें हुई हैं। मरने वालों में 257 बिजली कर्मी शामिल हैं।

पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल और केस्को को मिलाकर मार्च 2023 से 15 सितंबर 2025 के बीच विभिन्न स्थानों पर करंट से हुई दुर्घटनाओं को लेकर विद्युत सुरक्षा निदेशालय ने रिपोर्ट तैयार कर ली है।

दुर्घटनाओं में मरने वालों में 257 बिजली कर्मी तथा 3,349 आम नागरिक हैं। 3,825 अग्निकांड में करोड़ों की फसल जली है। 3600 मवेशियों की भी मौतें हुई हैं। ज्यादातर मवेशियों की मौत बिजली के पोल में करंट उतरने, जलभराव में करंट प्रवाहित तार टूटकर गिरने से हुई हैं।

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करंट से व्यक्ति की मौत पर पांच लाख मुआवजा दिया जाता है। मवेशी की मौत पर उसकी नस्ल के आधार पर राजस्व विभाग रिपोर्ट तैयार करता है। फिर मुआवजा दिया जाता है। विभागीय रिपोर्ट से स्पष्ट है कि साल दर साल बिजली जनित दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

अब प्रीपेड स्मार्ट मीटर के साथ ही मिलेगा नया बिजली कनेक्शन, पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष का फरमान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कहा कि नए कनेक्शन की मांग करने वालों को निर्धारित समय में प्रीपेड स्मार्ट मीटर के साथ ही कनेक्शन दिया जाए। इसके लिए टीम बनाई जाए। सभी मुख्य अभियंता (वितरण) हर दिन इसकी समीक्षा करें। इसी तरह निदेशक (वाणिज्य) हर सप्ताह समीक्षा करें।

कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष ने सभी प्रबंध निदेशकों को भेजे गए निर्देश में कहा कि कनेक्शन जारी करने में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। जहां पर देरी की शिकायत मिले, उसकी समीक्षा करके देखा जाए कि इसमें लापरवाही किस स्तर पर हुई है। नए कनेक्शन प्रीपेड मोड पर स्मार्ट मीटर लगाकर ही जारी किए जाएंगे।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता खत्म हो : वर्मा : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने नए कनेक्शन के लिए टीम गठित करने और जल्दी कनेक्शन देने की बात कही है, लेकिन स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता बरकरार रखी है। यह विद्युत अधिनियम 2003 का उल्लंघन है। परिषद अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की शर्त को अनिवार्य बनाए रखना संविधान और उपभोक्ता अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि बिना किसी पूर्व निर्धारण और मूल्य निर्धारण के ऐसे मीटरों को जबरन थोपने की प्रक्रिया तुरंत बंद की जाए।

फ्रेंचाइजी के जरिए निजीकरण की नई रणनीति : समिति : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि अधिक राजस्व देने वाले शहरों में वितरण क्षेत्र को फ्रेंचाइजी के जरिए निजी घरानों के देने की योजना बनाई जा रही है। यह योजना ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन की है। इससे निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा। संघर्ष समिति हर स्तर पर इसका विरोध करेगी।

दिवाली से पहले सभी जिलों में लगेगा स्वदेशी मेला

हस्तशिल्पी... उद्यमियों और कारीगरों को मिलेगा बड़ा मंच

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा मंच देने के लिए इस वर्ष दिवाली से पहले पूरे प्रदेश में स्वदेशी मेला आयोजित करने की घोषणा की है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार राज्य के सभी जिलों में लगभग 9 से 10 दिन का व्यापार मेला आयोजित होगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के बैनर तले होगा और उसके नीचे स्वदेशी मेला लिखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए लोकल टू वोकल मंत्र को आत्मसात करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

स्थानीय उत्पादों को मिलेगी प्राथमिकता

एमएसएमई मंत्री ने बताया कि अब तक इस तरह के मेले 18 मंडलों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पूरे प्रदेश में विस्तार किया गया है। इन मेलों का शुभारंभ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्री और विधायक करेंगे। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी। अगले वर्ष 25 से 29 सितंबर 2026 को यूपीआईटीएस के चौथे चरण का आयोजन और भी वृहद पैमाने पर किया जाएगा।

हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सकेगा : उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन यूनिटी मॉल (लखनऊ, वाराणसी और आगरा) की स्थापना केंद्र सरकार के फंडिंग से शुरू हो चुकी है। सचान ने कहा कि राज्य सरकार की योजना है कि सभी 75 जिलों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जाएं। ताकि, हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सके।

खराबी आई तो स्विट्जरलैंड से रोपवे ठीक कर देंगे इंजीनियर

वाराणसी , एजेंसी। रोपवे के 38 टावर पर 228 सेंसर लगाए जा चुके हैं। इनका काम गंडोला की निगरानी है। गंडोला किस टावर से गुजर रहा है, उसकी गति कितनी है, अगले स्टेशन से कितनी दूर है। इसके पैनल में कहीं कोई दिक्कत आती है तो स्विट्जरलैंड में बैठे विशेषज्ञ इसे वहीं से ही ठीक कर देंगे। रोपवे की सुरक्षा संबंधी अन्य जानकारियां भी सेंसर के माध्यम से मिलती रहेंगी। कंट्रोल रूम से तो इसका नियंत्रण होगा।

रोपवे की केबल कार की सुरक्षा जांच के लिए एक्सपर्ट कई तकनीक इस्तेमाल कर रहे हैं। पहले गति कम रखी जा रही है, फिर मानक के अनुरूप उसे बढ़ाया जा रहा है। ब्रेकिंग सिस्टम की जांच हो रही है। बिजली गुल करने के बाद देखा जा रहा है कि जिस पॉइंट पर गंडोला को रुकना चहिए था, वहां रुका है या नहीं। रोपवे कॉरिडोर को स्काडा सिस्टम (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) के दायरे में लाया गया है।

रोपवे स्टेशनों पर 24 घंटे चिकित्सकीय सुविधा, एंबुलेंस भी रहेगीअंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का रोपवे के संचालन में विशेष ध्यान रखा जा रहा है। रोपवे प्रोजेक्ट के अंतर्गत सभी प्रमुख स्टेशनों (कैंट, काशी विद्यापीठ, रथयात्रा और गोदौलिया) पर मेडिकल रूम, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध होगी। आपात स्थिति में यात्रियों को फर्स्ट ऐड प्रदान करने के लिए सुविधाएं स्टेशन पर रहेगी। साथ ही नजदीक के हॉस्पिटल से भी टाई-अप रखना प्रस्तावित है।

यूपी में 741 बसों में चल रही हैं सिर्फ 482, डिपों में खड़ी हैं 259 लग्जरी गाड़ियां

लखनऊ , एजेंसी। रोडवेज की 259 लग्जरी एसी बसें खराब हालत और चालकों की कमी के कारण डिपो में खड़ी हैं, जिससे करीब 45 हजार यात्री रोज़ाना असुरक्षित डग्गामार प्राइवेट बसों पर निर्भर हैं। रोडवेज की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि 741 बसों के बेड़े में से केवल 482 बसें ही सड़कों पर चल पाती हैं। इसमें अयोध्या परिक्षेत्र की स्थिति सबसे गंभीर है, जबकि लखनऊ दसवें नंबर पर है। पुराना बेड़ा, मरम्मत में लापरवाही और चालकों के अभाव में सड़क पर बसें नहीं उतर रही हैं, लेकिन कुछ परिक्षेत्रों का प्रदर्शन अब भी सराहनीय है।

रोडवेज में लखनऊ परिक्षेत्र समेत कुल 19 परिक्षेत्र हैं। इनमें 741 एसी बसों का बेड़ा है। इनके संचालन को लेकर रोडवेज प्रशासन की ओर से रिपोर्ट तैयार की गई, जिसमें खुलासा हुआ है कि 741 बसों में से सिर्फ 482 एसी बसें ही सड़कों पर उतर सकी हैं। 259 बसों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यानी कुल 34.95 फीसदी बसें ऑफरूट रही हैं। इन बसों को सड़कों पर नहीं उतारे जाने के पीछे कई वजहे हैं। इसका लाभ डग्गामार बसें उठा रही हैं। प्रतिदिन लखनऊ सहित प्रदेशभर में करीब

45 हजार यात्री डग्गामार प्राइवेट बसों के सहारे सफर कर रहे हैं।

अयोध्या की स्थिति सबसे खराब, लखनऊ 10वें नंबर पर : रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या की हालत सबसे खराब है। यहां कुल एसी बसों की संख्या 13 है, जिसमें चार बसें ही चल सकीं जबकि नौ खराब खड़ी रहीं। दूसरे नंबर पर सहारनपुर है, जहां 48 बसों में से 25 बसें चलीं, गाजियाबाद में 78 बसों में 42 ही चलाई जा सकीं। मेरठ में 19 बसों में 11, वाराणसी में 36 बसों में 21 तथा गोरखपुर में 61 में 36 बसें ही चलीं। लखनऊ दसवें नंबर पर है। यहां कुल बसों की संख्या 141 है, जिसमें 97 एसी बसें ही चलाई जा सकीं, 44 डिपो में खड़ी रहीं।

इनका प्रदर्शन सराहनीय : सबसे अच्छा प्रदर्शन इटावा परिक्षेत्र का रहा, जिसकी दोनों बसें चलती मिलीं। झांसी परिक्षेत्र की आठ बसों में सात चलीं व एक बंद रही। चित्रकूट व आजमगढ़ में 12-12 एसी बसें हैं, जिसमें दस-दस चलती मिलीं। रोडवेज के एमडी की ओर से इन परिक्षेत्रों के अफसरों की सराहना की गई।

इसलिए डिपो से नहीं निकलती बसें : अधिकारी बताते हैं कि रोडवेज की एसी लग्जरी बसें खस्ताहाल हैं। बेड़ा पुराना है, जिससे आए दिन बसें खराब रहती हैं। दूसरे, कई परिक्षेत्रों में बसों की मरम्मत निजी एजेंसियों को दी गई है, जहां मेंटीनेंस में लापरवाही बरती जाती है। इसके अतिरिक्त चालकों का अभाव भी एक वजह है।

करंट लगने से राज मिस्त्री की मौत, शव छोड़कर भागा ठेकेदार

आगरा , एजेंसी। आगरा के राजामंडी के एक मकान में काम कर रहे राजमिस्त्री सईद (35) की रविवार शाम करंट लगने से मौत हो गई। पता चलने पर ठेकेदार शव छोड़कर भाग गया। साथी मजदूरों ने लोहामंडी थाने की पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।पुलिस के मुताबिक, सईद जीवनी मंडी निवासी थे। वह पत्नी और तीन बच्चों के साथ ससुराल में रह रहे थे। परिजन ने बताया कि सईद साथी मजदूरों के साथ राजामंडी में काम पर गए थे। साथी मजदूरों ने पुलिस को बताया कि सईद मकान की छत पर कार्य कर रहे थे। वहां एक बल्ब लटका था जो काम करने में दिक्कत दे रहा था।सईद उसे ऊपर करने लगे तभी करंट की चपेट में आ गए। छत से नीचे गिरकर उनकी मौत हो गई। साथी मजदूरों ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

नेपाल ने रचा इतिहास

नेपाल-वेस्टइंडीजः

वेस्टइंडीज को दूसरे टी 20 में हराकर सीरीज पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल ने सोमवार (29 सितंबर) को वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 में 90 रन से हराकर इतिहास रच दिया। नेपाल की टीम ने पहली बार किसी आईसीसी की फुल मेंबर टीम के खिलाफ सीरीज जीती। नेपाल ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ मैच में जीत दर्ज की थी। नेपाल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को 90 रनों से रौंद दिया।

सीरीज जीतने की आस में पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की शुरुआत खराब रही। अकील हुसैन ने मैच के दूसरे ही ओवर में विकेट चटकाया। उन्होंने कुशल भुर्तेल को पवेलियन भेजा। हुसैन ने चौथे ओवर में कप्तान रोहित पौडेल को क्लीन बोल्ड कर दिया। नेपाल का स्कोर 4 ओवर में 2 विकेट पर 16 रन हो गया। आसिफ शेख ने अच्छी बल्लेबाजी करके नेपाल को पावरप्ले के अंत में मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आसिफ शेख और संदीप जोरा के बीच शतकीय साझेदारी

इसके बाद कुशल मल्ला रन आउट हो गए। फिर आसिफ शेख और संदीप जोरा के बीच शतकीय साझेदारी ने पूरी कहानी पलट दी। शेख शानदार लय में दिखे। इसके बाद जोरा ने लगातार चौके जड़े और फिर फैबियन एलन और नवीन बिदेसी की गेंदों पर छक्का जड़ा।

जोरा ने हैट्रिक सिक्स के प्रयास में विकेट गंवाया

छक्कों की बरसात हो रही थी। नेपाल की इस जोड़ी ने वेस्टइंडीज पर दबाव बनाए रखा। दोनों मे अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए। जोरा ने जेडिया ब्लेड्स को लगातार दो छक्के जड़े, लेकिन हैट्रिक की कोशिश में वह आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने आखिरकार शतकीय साझेदारी तोड़ दी।

वेस्टइंडीज 2 ओवर में 3 रन बनाए

पारी के आखिरी ओवर में एक-दो छक्के और पारी के आखिरी ओवर में छक्के की मदद से नेपाल ने पारी का मजबूत अंत किया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज जल्द ही बैकफुट पर आ गई। पहले दो ओवरों में कुल मिलाकर सिर्फ 3 रन बने। इसका नतीजा यह हुआ कि ज्वेल एंड्रयू एक सीधी गेंद पर बोल्ड हो गए।

मोहम्मद आदिल आलम ने मध्यक्रम को बिखेरा

शीर्ष क्रम के तीनों बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू 2, काइल मेयर्स 6 और कीसी कार्टी 1 रन दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। पांच ओवर के बाद, वेस्टइंडीज का स्कोर 7/2 था और मोहम्मद आदिल आलम ने मध्यक्रम को बिखेर कर रख दिया। जेसन होल्डर ने लगातार 2 छक्के लगाए, लेकिन वेस्टइंडीज की हार तय थी।

आलम ने 4 विकेट लिए

कुशल भुर्तेल ने एक ही ओवर में फैबियन एलन और अकील होसेन के विकेट लेकर विपक्षी टीम का स्कोर 74/7 कर दिया।

इसके बाद नेपाल की जीत औपचारिकता मात्र थी। आलम ने अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा और चार विकेट लेकर मैच का अंत किया। वेस्टइंडीज ने लगभग तीन ओवर शेष हार गई।

एसोसिएट टीम के खिलाफ फुल मेंबर टीम का सबसे कम स्कोर

वेस्टइंडीज का 83 रनों का स्कोर किसी एसोसिएट टीम के खिलाफ किसी फुल मेंबर टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे कम स्कोर है। नेपाल की 90 रनों की जीत किसी एसोसिएट टीम की पूर्ण सदस्य टीम के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत थी।

एशिया कपः

मैच में बहुत कुछ चल रहा था जो मैं बता नहीं सकता

हैदराबाद, एजेंसी। एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के सूत्रधार रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों की छींटाकशी और आक्रामकता का सर्वश्रेष्ठ जवाब खिताब जीतना ही था और उन्होंने शुरूआत में बने दबाव से सहज पार पा लिया था। तिलक के नाबाद 69 रन की मदद से भारत ने दुबई में रविवार को खेले गए फाइनल में 5 विकेट से जीत दर्ज की। तिलक ने दुबई से कल रात देश वापस पहुंचने के बाद कहा, 'शुरूआत में कुछ दबाव और तनाव था लेकिन मैने सबसे ऊपर अपने देश को रखा और मैं देश के लिए जीतना चाहता था।

मुझे पता था कि दबाव के आगे घुटने टेक दूंगा तो अपने आप को और देश के 140 करोड़ लोगों को निराश करूंगा। उन्होंने कहा, 'मैने बेसिक्स पर भरोसा रखा जो मैने शुरूआती दिनों में अपने कोचों से सीखे थे और उसका अनुसरण किया। उन्हें सबसे सही जवाब यही था कि हम एशिया कप जीत जाएं और हमने वही किया। तिलक ने स्वीकार किया कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैच में जमकर छींटाकशी की लेकिन उन्होंने खामोश रहना पसंद किया। उन्होंने कहा, 'हमने तीन विकेट जल्दी गंवा दिए थे और माहौल काफी गर्म हो गया था। मैं जल्दी बल्लेबाजी करने आ गया लेकिन मैने किसी को कुछ नहीं कहा और ना ही कोई खराब शॉट खेलकर टीम और देश को निराश किया।

उन्होंने कहा कि एक बार भारत जीत गया तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैने के दौरान मेरा फोकस बेसिक्स पर था और मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता था। मुझे जो कुछ कहना था, वह मैने मैच के बाद कहा। मैच में बहुत कुछ चल रहा था जो मैं बता नहीं सकता। भारत और पाकिस्तान के मैचों में यह होता है लेकिन हमारा फोकस मैच जीतने पर था। भारत को आखिरी ओवर में दस रन चाहिए थे और तिलक ने कहा कि वह तब तक दबाव से ऊपर उठ चुके थे। उन्होंने कहा, 'मुझ पर आखिरी ओवर में दबाव नहीं था।

मुझे पता था कि मैं मैच जिता दूंगा। मैं अपने देश के बारे में ही सोच रहा था और गेंद दर गेंद रणनीति बना रहा था। मुझे गर्व है कि मैं यह कर सका।

भारत Vs वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीजः

कोहली-रोहित-अश्विन के बाद नई शक्ल में उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में होगी. 7 साल बाद वेस्टइंडीज भारत में टेस्ट खेलने आ रही है. आखिरी बार दोनों टीमों की भिड़ंत अक्टूबर 2018 में हुई थी. सीरीज का दूसरा मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा. दोनों मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे. 2024 में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था. इस नतीजे ने पूरी सीरीज की धारणा बदल दी है. भारत इस बार साबित करना चाहेगा कि वह केवल एक अपवाद था, लेकिन टीम अभी भी उस हार के प्रभाव से उबर रही है. इसके साथ ही, टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों का संन्यास भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है- पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, लंबे समय तक टीम के नंबर 4 बल्लेबाज रहे विराट कोहली, और घरेलू टीम में पहले नाम के रूप में खेलते रहे आर. अश्विन अब टीम का हिस्सा नहीं हैं.

क्यों अहम है यह सीरीज?

यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है. भारत पहले ही इंग्लैंड दौरे पर 2-2 से सीरीज ड्रॉ कर चुका है और अब उसके पास घरेलू मैदान पर अंक जुटाने का मौका होगा. भारत फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज छठे पायदान पर है. कैरेबियाई टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया से 0-3 से हार झेली थी, जिसमें एक मैच में वे महज 27 रनों पर ऑल आउट हो गए थे.

आईसीसी महिला विश्व कप 2025ः

सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलिया का मुकाबला न्यूजीलैंड से

इंदौर, एजेंसी। सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलियाई महिला टीम ICC महिला वनडे विश्व कप 2025 में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरूआत करना चाहेगी। मौजूदा टी20 चैम्पियन न्यूजीलैंड से चुनौती निश्चित रूप से कड़ी होगी, लेकिन आस्ट्रेलिया को अपनी आंतरिक रणनीतियों और टीम संतुलन पर भी ध्यान देना होगा।

टीम संतुलन और खिलाड़ियों की स्थितिः आस्ट्रेलिया के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अंतिम एकादश में संतुलन बनाना बड़ी चुनौती है। बायें हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहेम चोट से उबर चुकी हैं। अब टीम प्रबंधन को तय करना है कि वेयरहेम और अलाना किंग के रूप में दो लेग स्पिनरों को उतारा जाए या मोलिनू को शामिल करके आक्रमण में विविधता लाई जाए।

तेज गेंदबाजी में मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, एलिसे पैरी, ताहलिया मैकग्रा और डार्सी ब्राउन जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूती देंगे। बल्लेबाजी में कप्तान एलिसा हीली, बेथ मूनी, फीबी लिचफील्ड और एशले गार्डनर मोर्चा संभालेंगी। भारत के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर चुकी जॉर्जिया वोल भी टीम का अहम हिस्सा हैं।

न्यूजीलैंड के पास भी मजबूत दांव

न्यूजीलैंड टीम के पास अनुभवी खिलाड़ी सोफी डेवाइन, सूजी बेट्स, ली ताहुहू, एमेलिया केर, मैडी ग्रीन हैं। इसके अलावा युवा खिलाड़ी जॉर्जिया प्लिमर, पोली इंग्लिस, एडेन कारसन और इज़्ज़ी गेज भी टीम में शामिल हैं।

पिछले साल यूएई में टी20 विश्व कप जीतकर न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास ऊंचा है, लेकिन वनडे क्रिकेट में लंबा ब्रेक उन्हें चुनौती दे सकता है। टीम ने चेन्नई और अबुधाबी में ष्टस्च्य अकादमी में अभ्यास किया और बेंगलुरु में अभ्यास मैच भी खेले।

टीमें:

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्रासन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहेम।

न्यूजीलैंडः सोफी डेवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, एडेन कारसन, फ्लोरा डेवोनशर, इज़्ज़ी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रूक हालीडे, ब्री इलिंग, पोली इंग्लिस, बेला जेम्स, जेस केर, एमेलिया केर, रोसमेरी मायेर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहुहू।

नेशनल स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025ः

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। इन पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने 2025 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने सभी पात्र खिलाड़ियों, कोचों और खेल संस्थाओं को आवेदन करने का अवसर दिया है। यह पुरस्कार भारत में खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।

आवेदन प्रक्रियाः आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को मंत्रालय द्वारा उपलब्ध डेडिकेटेड पोर्टल पर जाकर फॉर्म भरना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्तूबर 2025, रात 11:59 बजे है।

पुरस्कार की श्रेणियांः राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 में चार प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कारः खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और उत्कृष्ट योगदान के लिए। अर्जुन पुरस्कारः खेल में उल्लेखनीय प्रदर्शन और लगातार उत्कृष्टता दिखाने वाले खिलाड़ियों के लिए। द्रोणाचार्य पुरस्कारः खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और कोचिंग में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कोचों के लिए। राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारः खेल संस्थाओं और कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए।

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः वनडे सीरीज से बाहर होंगे हार्दिक पंड्या?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप 2025 के फाइनल में खेलते नहीं नजर आए थे। वहीं श्रीलंका के खिलाफ सुपर 4 के आखिरी मुकाबले में भी उन्होंने सिर्फ एक ओवर डाला और बाहर चले गए थे। दरअसल उस मुकाबले में हार्दिक एक समस्या से जूझ रहे थे।

मैच के बाद जानकारी सामने आई थी कि हार्दिक पंड्या क्वाड्रिसेप्स (जांघ और घुटने के बीच) की इंजरी के कारण मैदान के बाहर चले गए थे। रवि शास्त्री ने भी कमेंट्री के दौरान इसकी जानकारी दी थी। ऐसी स्थिति में उन्हें फाइनल खेलने का मौका नहीं मिला और उनके ना होने पर शिवम दुबे ने उनकी कमी को पूरा किया था। इस इंजरी के बाद वह तकरीबन चार हफ्ते तक टीम से बाहर भी रहे सकते हैं। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 से 25 अक्तूबर तक होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से उनका बाहर होना लगभग तय माना जा सकता है।

हालांकि, अभी आधिकारिक मुहर लगने का इंतजार है मगर ऐसी इंजरी में चार सप्ताह का समय रिकवर होने में लगता है। यानी वनडे सीरीज से बाहर होने के बाद टी20 सीरीज में वह भारतीय टीम के साथ जुड़ सकते हैं। इस पर भी कोई पुष्टि नहीं है। पूरी जानकारी तभी मिलेगी जब बीसीसीआई की तरफ से ऑस्ट्रेलिया दौरे का स्क्वाड जारी किया जाएगा। भारतीय टीम वनडे के बाद 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच टी20 मैचों की भी सीरीज खेलेगी।

गौरतलब है कि हार्दिक की गैरमौजूदगी में वनडे टीम में बतौर पेस ऑलराउंडर उनकी जगह कौन लेगा। ऐसे में एक नाम उस खिलाड़ी का सामने आता है जिसने 2019 में वनडे डेब्यू किया था और तब से आज तक सिर्फ चार वनडे मैच भारत के लिए खेले हैं।

कौन ले सकता है वनडे टीम में हार्दिक की जगह?

एशिया कप 2025 के फाइनल में सूर्यकुमार यादव ने ऐसा दांव चला था जो भारतीय टीम के लिए भविष्य में वनडे में भी बतौर विकल्प काम आ सकता है। सूर्या ने हार्दिक के बाहर होने पर शिवम दुबे से उनकी कमी पूरी करवाई थी और नई गेंद से पहला ओवर दिया था।

पहले युवा टेस्ट में दीपेश के 5 विकेट, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 243 पर समेटा

ब्रिस्बेन, एजेंसी। तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन के 5 विकेट की बदौलत भारत अंडर-19 ने मंगलवार को यहां पहले युवा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को 243 रनों पर समेटकर पहला दिन अपने नाम कर लिया। तमिलनाडु के 17 वर्षीय क्रिकेटर दीपेश ने 16.2 ओवर में 45 रन देकर 5 विकेट चटकाए जबकि किशन कुमार ने 16 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट चटकाकर शानदार सहायक भूमिका निभाई।

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम 91.2 ओवर में ऑल आउट हो गई। वन-डाउन बल्लेबाज स्टीवन होगन ने 246 गेंदों पर 92 रनों की धैर्यपूर्ण पारी खेलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए शीर्ष स्कोरर का काम किया। उन्होंने अकेले ही संघर्ष किया जबकि उनके कुछ साथी बल्लेबाज़ों ने गेंद को गोल में डालने के बाद दम तोड़ दिया। जेड हॉलिक ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे जिन्होंने 94 गेंदों पर 38 रन बनाए।

ओलिंपियन दीपक पूनिया ने सगाई की

पिता के प्रॉपर्टी डीलर दोस्त की बेटी से हुआ रिश्ता; सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रही मंगेतर

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में झज्जर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान और ओलिंपियन दीपक पूनिया जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। रविवार को बहादुरगढ़ में उनकी शिवानी के साथ रिंग सेरेमनी हुई। शिवानी निलौठी गांव की रहने वाली हैं। फिलहाल वह संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना आईएएस अफसर बनने का है। शिवानी और दीपक के पिता अच्छे दोस्त हैं। दोनों परिवारों ने दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए दोनों बच्चों का रिश्ता तय किया है। रविवार को हुए रिंग सेरेमनी प्रोग्राम में सिर्फ दोनों परिवार और करीबी ही शामिल हुए। दीपक के पिता का कहना है कि जल्द ही दोनों परिवारों की सहमति से शादी की तारीख तय की जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपना अभियान 12 अक्टूबर से शुरू करने जा रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे 12 से 24 अक्तूबर तक दो टेस्ट मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के लिए मंगलवार 30 सितंबर को पाकिस्तान का 18 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है। इस टीम में शाहीन अफरीदी की वापसी हुई है। शाहीन ने आखिरी टेस्ट पिछले साल अक्तूबर में ही खेला था। वहीं बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। इसके अलावा तीन अनकैप्ड खिलाड़ी भी इस सीरीज के लिए चुने गए हैं जो अपना डेब्यू भी करते नजर आ सकते हैं। नसीम शाह को इस टीम में जगह नहीं मिली है। पाकिस्तान की टीम 12 से 16 अक्टूबर तक लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगी। फिर सीरीज का दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच रावलपिंडी में 20 से 24 अक्तूबर तक खेला जाएगा। पाकिस्तान के इस स्क्वाड की बात करें तो अभी इसमें कई बदलाव होने की संभावना है जिसकी जानकारी बोर्ड ने दी है। इतना ही नहीं पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभी इस 18 सदस्यीय स्क्वाड से कुछ खिलाड़ियों को बाहर भी किया जा सकता है। लेकिन शान मसूद आगे भी इस टेस्ट टीम की कमान संभालते नजर आएंगे।

कैसा रहा पाकिस्तान का प्रदर्शनः अगर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पिछले तीन संस्करण में पाकिस्तान के प्रदर्शन की बात करें तो एक बार भी टीम टॉप 2 में जगह नहीं बना पाई है। साल 2019 से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का आगाज हुआ था। उसके बाद से पाकिस्तान ने अभी तक 40 मुकाबले खेले हैं जिसमें से 13 में सिर्फ उसे जीत मिली है जबकि 20 में हार का सामना करना पड़ा है।

आईपीएल न्यूज़ः

आरसीबी बिकने वाली है?

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बिकने वाली है? ये सवाल इसलिए क्योंकि आईपीएल शुरू करने में जिन ललित मोदी का बड़ा हाथ रहा है, उन्होंने इसे लेकर बड़ा अपडेट दिया है. उन्होंने जो संकेत छोड़े हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि आईपीएल 2025 की ये चैंपियन टीम अब अपने नए मालिक के तलाश में हैं. ललित मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस बारे में जानकारी दी है. इतना ही नहीं उन्होंने ये भी कहा है कि इस फ्रेंचाइजी में अभी निवेश करना नए निवेशकों के लिए क्यों फायदे का सौदा या बेहतर मौका हो सकता है?

ललित मोदी ने आरसीबी पर दिया अपडेट

ललित मोदी ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि पहले तो आरसीबी के बिकने को लेकर बस अफवाहें थीं लेकिन अब लगता है कि मालिकों ने आरसीबी को अपनी बैलेंस शीट से हटाकर बेचने का फ़ैसला कर लिया है. उन्होंने आगे लिखा कि मुझे पूरा भरोसा है कि ये टीम बिकने के लिए एक फ्रेंचाइजी के तौर पर पूरी तरह से उपलब्ध होगी.